नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, मंगलवार
06 मई 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 67 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

'पहलगाम आतंकी हमले का दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए'

सचिन पायलट ने पाकिस्तान को सबक दिखाने की कही बात

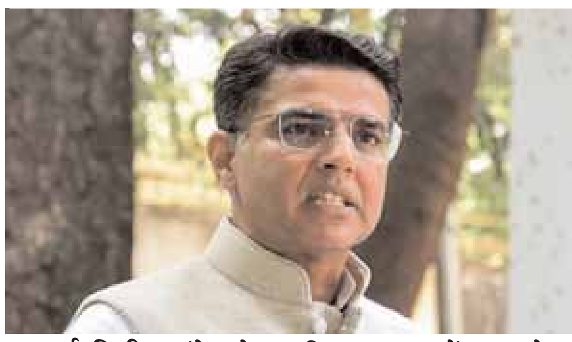

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के मामले में केंद्र सरकार को दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। पायलट ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस पार्टी व समूचे विपक्ष ने केंद्र सरकार का समर्थन किया है।

पहलगाम हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया हैं। ऐसे में कई राजनेता इस हमले पर राजनीति भी करते नजर आये। वहीं ऐसे विकट समय में कुछ नेता ऐसे भी है जो राष्ट्रहित के बारे में सोचने हैं राजनीति को परे रखते हुए। इन्हीं में से एक हैं कांग्रेस नेता सचिन पायलट। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि पहलगाम में नागरिकों पर हाल में हुआ आतंकवादी हमला राष्ट्र पर हमला है और देश पाकिस्तान को ह्यकरारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के मामले में केंद्र सरकार को दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। पायलट ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस पार्टी व समूचे विपक्ष ने केंद्र सरकार का समर्थन किया है। पायलट, उदयपुर में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। पायलट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में पूछे जाने पर कहा, ह्यक्या और कैसे कार्रवाई करनी है ये तो केंद्र सरकार जानती है। लेकिन मैं इतना जानता हूं कि भारत का एक-एक नागरिक इस बात के लिए आतुर है कि हम जल्द से जल्द एक प्रभावी कार्रवाई करें ताकि आतंकवाद को दुबारा पनाह देने की हिम्मत पाकिस्तान न करे।

शेष पेज 2 पर

आपको दोस्त रूस का पूरा समर्थन

पुतिन ने मोदी को फोन कर पाकिस्तान पर क्या कहा?

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बहुत जरूरी फोन कॉल आया है। ये फोन कॉल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का है। पीएम मोदी को रूस के दौरे पर जाना था। लेकिन वो दौरा कैंसिल होता है। उसके बाद राजनाथ सिंह के मॉस्के के विक्ट्री डे परेड में जाने की बात सामने आती है। लेकिन फिर खबर आती है कि राजनाथ सिंह का दौरा भी कैंसिल हो जाता है। इन सब के बीच रूस के विक्ट्री डे पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी रहने वाली है। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन उठाकर पीएम नरेंद्र मोदी को कॉल लगाया ये बताने के लिए भारत के साथ वो कितनी मजबूती के साथ खड़े हैं।

भारत पाकिस्तान तनाव पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पूरी दुनिया में चर्चा का विषय है। आतंकी हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता जिस तरीके से सामने आई है।

जिस तरीके से पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर भारत के खिलाफ जिहादी नेटवर्क चला रहे हैं। उसे लेकर भारत का गुस्सा है। पूरी दुनिया इस वक्त महसूस कर रही है कि भारत पाकिस्तान पर कोई बड़ी कार्रवाई कभी भी कर सकता है। उसे लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बातचीत हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।

शेष पेज 2 पर

पाकिस्तान ने एक बार फिर की साइबर हमले की कोशिश

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है और इसी बीच 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' नाम के एक्स खाते ने भारतीय रक्षा संस्थानों का डाटा हैक करने का दावा किया है। हैकर्स समूह ने सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और एमपी-आईडीएसए से जुड़ी संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा किया है और एक सरकारी वेबसाइट को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इस बीच, पाकिस्तान लगातार भारतीय संस्थानों को साइबर हमले का निशाना बना रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' नामक खाते ने दावा किया कि उसने भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) से जुड़ा संवेदनशील डाटा चुरा लिया है।

शेष पेज 2 पर

वक्फ कानून से जुड़े मामले की 'सुप्रीम' सुनवाई टली, अगली तारीख 15 मई तय

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 15 मई को न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई तय की। 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले सीजेआई खन्ना ने कहा कि वह कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहते। उन्होंने कहा कि आदेश पारित करने से पहले इस मामले पर उचित तरीके से सुनवाई की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई 15 मई को न्यायमूर्ति बीआर गवई के समक्ष निर्धारित की है। बीआर गवई देश के अगले मुख्य न्यायधीश होंगे। ऐसे में याचिका अब उनके सामने ही रखी जाएगी।

शेष पेज 2 पर

सैन्य कार्रवाई से पहले भारत के ये 10 एक्शन

आर्थिक और कूटनीतिक तौर पर पाकिस्तान की तोड़ देगा कमर

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए घातक आतंकवादी हमले के मद्देनजर, जिसमें नेपाल के एक विदेशी नागरिक सहित 26 लोगों की जान चली गई, केंद्र ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कार्रवाई की है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी घटनाक्रम में भारत ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े निर्णय लिए हैं। इन निर्णयों के पीछे का उदेश्य पाकिस्तान की आर्थिक और कूटनीतिक तौर पर कमर तोड़ना है। भारत ने सिलसिलेवार कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से सभी आयातों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया, देश से सभी डाक सेवाओं को निलंबित कर दिया और उसके जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने से रोक दिया। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले के बाद उठाया गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए घातक आतंकवादी हमले के मद्देनजर, जिसमें नेपाल के एक विदेशी नागरिक सहित 26 लोगों की जान चली गई, केंद्र ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कार्रवाई की है।

भारत द्वारा उठाए गए 10 कदम- - भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। इस निर्णय से पाकिस्तान से भारत में माल की सभी आवक पूरी तरह से रुक जाएगी। भारत का पाकिस्तान को पिछले साल अप्रैल से इस साल जनवरी तक निर्यात 44.76 करोड़ डॉलर था, जबकि आयात मात्र 4.2 लाख डॉलर था।

- पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ नए दंडात्मक कदम उठाए जाने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने भी भारतीय ध्वज वाले पोतों के लिए अपने बंदरगाहों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। इससे पहले, भारत ने इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम उठाते हुए शनिवार को पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित कर दीं और भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी ध्वज वाले पोतों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया।

शेष पेज 2 पर

जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा...पहलगाम हमले पर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन का बयान

नई दिल्ली । नसरीन ने कहा कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद बना रहेगा। यूरोप में चर्च संग्रहालयों में बदल गए हैं, लेकिन मुसलमान हर जगह मस्जिद बनाने में व्यस्त हैं। हजारों मस्जिदें हैं, और वे अभी भी और चाहते हैं। वे जिहादियों को पैदा करते हैं। मदरसे नहीं होने चाहिए। बच्चों को सभी किताबें पढ़नी चाहिए, सिर्फ. एक नहीं।

निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक साहसिक बयान में कहा है कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद बना रहेगा। आतंकवाद बना रहेगा"। 'लज्जा' लेखिका ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ढाका में 2016 में हुए आतंकी हमले के बीच समानताएं बताते हुए यह टिप्पणी की है। दिल्ली

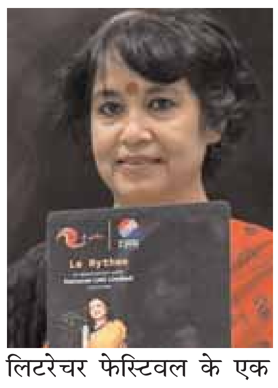

लिटरेचर फेस्टिवल के एक सत्र में बोलते हुए नसरीन ने यह भी कहा कि इस्लाम 1,400 सालों में विकसित नहीं हुआ है। जब तक यह विकसित नहीं होता, तब तक यह आतंकवादियों को जन्म देता रहेगा। 2016 के ढाका हमले में, मुसलमानों को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वे कलमा नहीं पढ़ पाए थे। जब आस्था को तर्क और मानवता पर हावी होने दिया जाता है, तो यही होता है।

शेष पेज 2 पर

गीदड़भभकी दिखाने से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

भारत से तनाव के बीच एक और मिसाइल का परीक्षण किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान उकसावे वाली यह कार्रवाई तब कर रहा है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उसके पास गोला बारूद की भारी कमी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। ऐसे में पाकिस्तान गीदड़भभकी दिखाते हुए बड़बोलापन दिखा रहा है। हालांकि भारत के आक्रामक रुख से पाकिस्तान में घबराहट का माहौल है। अब अपनी खीझ को छिपाते हुए पाकिस्तान ने एक और बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करने का दावा किया है। गौरतलब

है कि हाल ही में पाकिस्तान ने अपनी बैलिस्टिक मिसाइल अब्दाली का भी परीक्षण करने का दावा किया था।

सतह से सतह पर मार करने वाली फतह सीरीज की मिसाइल का परीक्षण किया- पाकिस्तान के दावे के अनुसार, उन्होंने सतह से सतह पर मार करने वाली फतह सीरीज की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। इस मिसाइल की रेंज 120 किलोमीटर है। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया है कि यह मिसाइल परीक्षण एक्सरसाइज इंडस के तहत किया गया।

शेष पेज 2 पर

बड़ी कटौती | रिजर्व बैंक इस साल ब्याज दर में कर सकता है बड़ी कटौती

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । एसबीआई की इस रिपोर्ट से साफ है कि देश में महंगाई काबू में है, जीडीपी ग्रोथ स्थिर है और रिजर्व बैंक ब्याज दरों में बड़ी कटौती कर सकता है। इससे लोन सस्ते होंगे और आम आदमी की जेब पर बोझ थोड़ा कम हो सकता है। इसके साथ ही उद्योगों को भी कर्ज लेना आसान होगा, जिससे निवेश बढ़ेगा और रोजगार के मौके भी बन सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 2025-26 में ब्याज दरों में बड़ी कटौती कर सकता है। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई इस साल कुल मिलाकर 125 से 150 बेसिस प्वाइंट्स यानी 1.25% से 1.5% तक की कटौती कर सकता है। इसकी वजह है कि

देश में महंगाई दर लगातार कम हो रही है और अब यह काबू में आ चुकी है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक को एक बार में बड़ा कदम उठाना चाहिए। इसके लिए 50 बेसिस प्वाइंट्स (0.50%) की बड़ी कटौती ज्यादा असरदार होगी, बजाय इसके कि धीरे-धीरे 25 बेसिस प्वाइंट्स (0.25%) की छोटी-छोटी कटौतियां की जाएं।

महंगाई में जबरदस्त गिरावट- मार्च 2025 में देश में खुदरा महंगाई दर यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) महज 3.34% रही। यह पिछले 67 महीनों में सबसे कम है। खासकर खाने-पीने की चीजों की कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिससे महंगाई थमी है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में महंगाई दर औसतन 4% से भी कम रह सकती है। और साल की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून 2025 में यह 3% से भी नीचे आ सकती है। यह स्थिति रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरें घटाने का अच्छा मौका देती है। जब महंगाई कम होती है तो कर्ज सस्ता करना आसान हो जाता है, जिससे अर्थव्यवस्था में रफ्तार आती है।/जीडीपी ग्रोथ रहेगी स्थिर- रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की ग्रोथ दर वित्त वर्ष 2025-26 में 9% से 9.5% के बीच रह सकती है। जबकि सरकार ने बजट में 10% की ग्रोथ का अनुमान लगाया था।

शेष पेज 2 पर

लाल किला के पीछे ऐतिहासिक पार्कों में बगीचा होगा डिजाइन

पुरानी दिल्ली की सजावट और बनावट को मिलेगी नई पहचान, डीडीए परियोजना पर 19 करोड़ रुपये खर्च करेगा

एनपीटी ब्यूरो

नई दिल्ली। डीडीए लाल किले के पीछे स्थित दिल्ली चलो पार्क, घाटा मस्जिद पार्क, सद्भावना पार्क और उर्दू अकादमी पार्क को खूबसूरत, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाएगा। ऐतिहासिक पार्कों का सौंदर्यीकरण नए जमाने के बगीचे की तरह डिजाइन किया जाएगा। विभिन्न तरह के फूल-पौधे लगाए जाएंगे, पैदल चलने के लिए रास्ते और पानी-लाइट की स्मार्ट व्यवस्था होगी।

परियोजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 19 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। डीडीए ने इन पार्कों को दोबारा बेहतर करने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने इन पार्कों को डीडीए को सौंपा है, जिनमें एएसआई की ओर से संरक्षित कई स्मारक भी शामिल हैं। इन स्मारकों

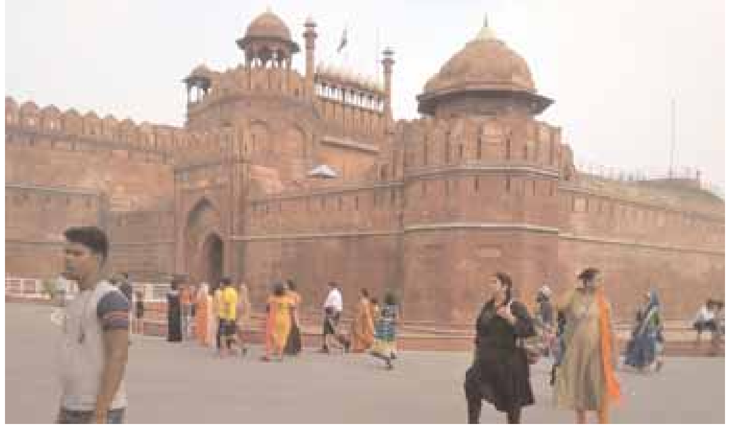

की उपेक्षा को दूर करते हुए, डीडीए इन पार्कों को आधुनिक सुविधाओं और हरियाली से युक्त पर्यटक और स्थानीय आकर्षण के केंद्र के रूप में विकसित करेगा।

आधुनिक तरीके से होगा पार्कों का सौंदर्यीकरण

पार्कों में आधुनिक लैंडस्केपिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिसमें फूलों की क्यारियां, पौधरोपण और जल निकाय शामिल होंगे। बैठने की व्यवस्था, पैदल पथ, बच्चों के लिए खेल क्षेत्र और स्वच्छता सुविधाएं जैसे शौचालय और पेयजल की व्यवस्था होगी। एएसआई के सहयोग से पार्कों में मौजूद ऐतिहासिक स्मारकों का जीर्णोद्धार और रखरखाव किया जाएगा। सौर ऊर्जा से संचालित लाइटिंग और वर्षा जल संचयन जैसी पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों का उपयोग भी किया जाएगा। डीडीए ने इसपर काम शुरू कर दिया है।

शहर की सजावट और बनावट को मिलेगी नई पहचान

घाटा मस्जिद पार्क में ऐतिहासिक और अन्य संरचनाएं शामिल हैं, जबकि दिल्ली चलो पार्क सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए जाना जाता है। डीडीए ने पहले महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क और कुदासिया घाट जैसे स्थानों का सफल जीर्णोद्धार किया है। लाल किले के पीछे इन चार पार्कों के दोबारा बेहतर करने से दिल्ली की सजावट और बनावट को नई पहचान मिलेगी। डीडीए की यह पहल न केवल प्रकृति की रक्षा को बढ़ावा देगी, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को भी संजोएगी।

आबकारी नीति मामला: हाईकोर्ट में मामले की हुई सुनवाई

ईडी ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को स्थगित करने की मांग की

एनपीटी ब्यूरो

दिल्ली । ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने अपनी बहस शुरू करते हुए कहा कि वह जमानत का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन ट्रायल कोर्ट के द्वारा दिए गए आदेश में कई गलतियां हैं, जिन्हें स्थगित किया जाना चाहिए।

दिल्ली आबकारी नीति मामले की सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। ईडी की तरफ से एडिशनल सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू पेश हुए। जबकि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की तरफ से अधिवक्ता विक्रम चौधरी अदालत में मौजूद रहे। ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने अपनी बहस शुरू करते हुए कहा कि वह जमानत का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन ट्रायल कोर्ट के द्वारा दिए गए आदेश में कई गलतियां हैं, जिन्हें स्थगित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई जमानत अंतरिम जमानत के तौर पर मिली है। जिसे अब बड़ी बेंच पर सुनवाई के लिए दे दिया गया है।

अदालत ने पूछा कि सुप्रीम कोर्ट में कब सुनवाई होगी। जिस पर केजरीवाल के अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि अभी तक बेंच का गठन नहीं हुआ है। अदालत ने कहा कि एसवी राजू भी जमानत के खिलाफ नहीं हैं वह बस ट्रायल कोर्ट के आदेश को स्टे किए जाने की मांग कर रहे हैं। अधिवक्ता विक्रम चौधरी ने ईडी की मांग का विरोध किया। विक्रम चौधरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं ऐसे में जमानत का संरक्षण किया जाना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

पेज एक का शेष...

आपको दोस्त रूस का पूरा समर्थन

फोन पर रूसी राष्ट्रपति ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। रूसी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपति पुतिन को शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।

ळअरर की रिपोर्ट के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन ने वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक के लिए भारत आने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण को भी स्वीकार कर लिया है। टेलीफोन पर बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति को 'विजय दिवस' की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। इससे पहले 3 मई को रूसी संघ के विदेश मंत्री एस वी लावरोव ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ टेलीफोन पर बातचीत में पहलगाम के पास हुए आतंकवादी हमले पर चर्चा की थी। लावरोव ने जयशंकर के साथ अपनी बातचीत में दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच मतभेदों को सुलझाने का आह्वान किया। उन्होंने द्विपक्षीय आधार पर राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से समाधान निकालने का भी आह्वान किया।

'पहलगाम आतंकी हमले का दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए'

उन्होंने कहा, ह्वआज देश के 140 करोड़ लोग एकजुट हैं और चाहते हैं कि पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए।

बिना समय खोए सरकार को अपने सब संसाधन इकट्ठा करके कारवाई करनी चाहिए। क्योंकि अब यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि हमारे देश में अमन चैन रहे ह्व पहलगाम के बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे।

पायलट ने कहा, ह्वमुझे लगता है कि केंद्र सरकार को बिना समय खोए निसंकोच होकर दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। पूरा देश एकजुट है और आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का यही एक तरीका है ह्व पायलट ने जातिगत जनगणना के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस पार्टी चाहती है कि जातिगत जनगणना समयबद्ध तरीके से हो, पारदर्शी हो, वैज्ञानिक सोच के साथ जल्द से जल्द हो।

पाकिस्तान ने एक बार फिर की साइबर हमले की कोशिश

एवीएनएल की वेबसाइट पर दिखा पाकिस्तानी झंडा-सूत्रों के मुताबिक, यह दावा किया गया है कि हैकर्स ने रक्षा से जुड़े कर्मियों की निजी जानकारी और लॉगिन विवरण तक पहुंच बना ली है। इसके अलावा, इस समूह ने रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करने वाली सरकारी कंपनी आर्मर्ड व्हीकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एवीएनएल) की आधिकारिक वेबसाइट को हैक करने की कोशिश की। वेबसाइट पर पाकिस्तान झंडा और 'अल खालिद' टैंक की तस्वीर से दिखाई दी।

जांच में जुटीं साइबर सुरक्षा एजेंसियां-सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से एवीएनएल की वेबसाइट को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है, ताकि वेबसाइट की पूरी तरह से जांच की जा सके और यह पता लगाया जा सके कि कितना नुकसान हुआ है। इस बीच, साइबर सुरक्षा एजेंसियां और विशेषज्ञ लगातार इंटरनेट पर नजर रख रहे हैं, ताकि पाकिस्तान से जुड़े किसी और संभावित हमले को समय रहते पकड़ा जा सके और उससे निपटा जा सके। इस घटना के बाद, सरकार और एजेंसियां साइबर सुरक्षा को और मजबूत करने में जुटी हैं, ताकि आगे इस तरह के हमलों को रोका जा सके और देश के डिजिटल ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़ा तनाव-पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी। जिसमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई रणनीतिक कदम उठाए। इनमें पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा में छूट रद्द करना, सिंधु जल समझौते को निलंबित करना, सभी श्रेणियों की डाक सेवाओं को प्रतिबंधित करना भी शामिल है।

वक्फ कानून से जुड़े मामले की 'सुप्रीम' सुनवाई टली, अगली तारीख 15 मई तय

मौजूदा सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

पिछली सुनवाई में अदालत ने कानून के दो मुख्य पहलुओं पर रोक लगा दी थी। 17 अप्रैल को सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार व जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ को केंद्र की ओर से आश्वासन दिया गया था कि वह 5 मई तक न तो वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद व बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा। केंद्र ने उसे सुने बिना कानून पर रोक न लगाने का आग्रह भी किया था। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख 5 मई तय की थी।

'अंतरिम चरण में कोई निर्णय या आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता'-जैसे ही मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ सुनवाई के लिए बैठी तो सीजेआई ने कहा कि कुछ ऐसे पहलू हैं, जिन पर केंद्र ने विचार किया, लेकिन उन्हें स्पष्ट करने की आवश्यकता है। मैं इस अंतरिम चरण में कोई निर्णय या आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता। इस मामले की सुनवाई उचित समय पर करनी होगी और यह मेरे समक्ष नहीं होगा।

'जवाबी हलफनामे पर बहुत गहराई से विचार नहीं किया'-सीजेआई ने कहा, 'हमने जवाबी हलफनामे पर बहुत गहराई से विचार नहीं किया है। हां, आपने पंजीकरण (वक्फ संपत्तियों के) के संबंध में कुछ बिंदु उठाए हैं और कुछ विवादित आंकड़े दिए हैं, जिन पर कुछ विचार करने की आवश्यकता होगी।' केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई की सेवानिवृत्ति का संकेत देते हुए कहा, 'हम आपसे (सीजेआई) से बात करना पसंद करते हैं, क्योंकि हर दलील का जवाब होता है, लेकिन हम आपको शर्मिंदा नहीं कर सकते, क्योंकि समय नहीं है। आपके सेवानिवृत्ति के बारे में याद दिलाना दुखद है। सीजेआई ने जवाब दिया, 'नहीं, नहीं, मैं इसका इंतजार कर रहा हूं।

पिछले महीने अधिसूचित किया था वक्फ अधिनियम-केंद्र ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को पिछले महीने अधिसूचित किया था। इसके बाद इसे 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई थी। विधेयक को लोकसभा ने 288 सांसदों के समर्थन से पारित किया था, जबकि 232 सांसद इसके खिलाफ थे। राज्यसभा में इसके पक्ष में 128 और इसके खिलाफ 95 वोट पड़े थे। इसके बाद कई राजनीतिक दल जैसे डीएमके, वाईएसआरसीपी, एआईएमआईएम, वामपंथी दल समेत कई एनजीओ, मुस्लिम निकाय और अन्य ने अधिनियम की वैधता को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था।

गीदड़भभकी दिखाने से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

इससे पहले पाकिस्तान ने अपनी अब्दाली मिसाइल का परीक्षण करने का दावा किया था, जिसकी रेंज 450 किलोमीटर है। भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान लगातार उकसावे वाली कार्रवाई कर रहा है। पाकिस्तान उकसावे वाली यह कार्रवाई तब कर रहा है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उसके पास गोला बारूद की भारी कमी है।

भारत की सख्त कार्रवाई से तिलमिलाया पाकिस्तान

बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया। इतना ही नहीं भारत ने चिनाब नदी का पानी भी रोक दिया है। भारत के इस कदम से पाकिस्तान बुरी तरह से बौखला गया है और उसने युद्ध की धमकी दी है। पाकिस्तान की सेना बीते 11 दिनों से लगातार सीमा पर गोलीबारी कर अपनी खीझ मिटाने की कोशिश कर रही है। इतना ही नहीं भारत ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए हैं। पाकिस्तानी एयरलाइनों के लिए हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ ही पाकिस्तान से आने वाले डाक-पार्सल पर भी रोक लगा दी गई है। भारत ने पाकिस्तान का झंडा लगे जहाजों को भी भारत के बंदरगाहों पर रुकने से प्रतिबंधित कर दिया है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में दावा

यह संकेत देता है कि देश में आर्थिक विकास की रफ्तार स्थिर है और महंगाई भी काबू में है — यानी गोल्डीलॉक्स स्थिति है, जो दरों में कटौती के लिए सही समय मानी जाती है।

ब्याज दर में कितनी कटौती हो सकती है?

एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2026 तक रिजर्व बैंक कुल 125 से 150 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती कर सकता है। इसके मुताबिक, जून और अगस्त 2025 में 75 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की जा सकती है। वहीं साल की दूसरी छमाही यानी अक्तूबर 2025 से मार्च 2026 के बीच 50 बेसिस प्वाइंट्स की और कटौती संभव है। जबकि फरवरी 2025 में रिजर्व बैंक पहले ही 25 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती कर चुका है। अगर यह सब होता है, तो मार्च 2026 तक रेपो रेट करीब 5% से 5.25% के बीच आ जाएगा।

क्यों जरूरी है बड़ी कटौती?-एसबीआई का कहना है कि 50 बेसिस प्वाइंट्स की एकमुश्त कटौती ज्यादा असरदार होगी। इससे बाजार में भरोसा बढ़ेगा और कर्ज लेना सस्ता होगा। इससे आम आदमी को भी फायदा मिलेगा और उद्योगों को भी। छोटे-छोटे 25 प्वाइंट्स की कटौतियों में असर थोड़ा देर से दिखता है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया इस साल 85 से 87 के दायरे में स्थिर रहेगा। इसका मतलब है कि विदेशी मुद्रा बाजार में भी ज्यादा उतार-चढ़ाव की उम्मीद नहीं है।

बैंकिंग सेक्टर में क्या बदलाव होंगे?-इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फरवरी 2025 में जब आरबीआई ने 0.25% की कटौती की थी, तो बैंकों ने भी अपनी ब्याज दरें उसी अनुपात में घटा दी थीं। बैंक जो रेपो रेट से जुड़े लोन देते हैं (जैसे होम लोन, कार लोन), उनकी ब्याज दरें भी घट चुकी हैं। हालांकि एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट), जो थोड़ा धीरे-धीरे घटता है, उसमें कमी आने में थोड़ा समय लगेगा। वहीं आने वाले महीनों में फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाली ब्याज दरें भी धीरे-धीरे कम हो सकती हैं।

क्या है आरबीआई की पॉलिसी का लक्ष्य?-रिजर्व बैंक का मकसद है कि महंगाई दर 2% से 6% के बीच रहे। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि फिलहाल देश की महंगाई इसी दायरे में है और धीरे-धीरे 4% के स्तर के करीब स्थिर हो रही है। ऐसे में रिजर्व बैंक के पास ब्याज दर घटाने का अच्छा मौका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अगर देश की महंगाई दर और नीचे आती है, तो मार्च 2026 तक 1.25% से 1.5% तक की कुल कटौती संभव है। इससे रेपो रेट भी संतुलित स्तर से थोड़ा नीचे आ सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था को और गति मिल सकती है।

भारत ने पाकिस्तान से आने वाले या वहां से गुजरने वाले माल के आयात और अपने बंदरगाहों पर पाकिस्तानी पोतों के प्रवेश पर भी शनिवार को प्रतिबंध लगा दिया था।

- सरकार ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ हवाई और जमीनी दोनों मार्गों से मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को भी रोक दिया, क्योंकि उसने सीमा पार संबंधों के मद्देनजर इस्लामाबाद पर नए दंडात्मक उपाय लागू किए हैं। संचार मंत्रालय के डाक विभाग द्वारा जारी और देश भर के सभी डाक सर्किलों के प्रमुखों को भेजे गए आदेश के अनुसार, "हवाई और जमीनी मार्गों के जरिए पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल का आदान-प्रदान" निलंबित कर दिया गया है।

- केंद्र ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनमें डॉन न्यूज, समा टीवी, एआरवाई न्यूज और जियो न्यूज जैसे कुछ प्रमुख चैनल शामिल हैं, जो भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री का प्रसार करने और भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ झूठे, भ्रामक बयान प्रसारित करने के लिए हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर और बासित अली के यूट्यूब चैनल भी ब्लॉक कर दिए गए हैं, जबकि कई पाकिस्तानी हस्तियों के इंस्टाग्राम अकाउंट-जिनमें फवाद खान, आतिफ असलम, हानिया आमिर और माहिरा खान शामिल हैं-को बंद कर दिया गया है।

- सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), जो चार युद्धों, पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ दशकों तक सीमा पार आतंकवाद और दोनों देशों के बीच दुश्मनी के लंबे इतिहास को झेल चुकी है, को पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद नई दिल्ली द्वारा पहली बार निलंबित कर दिया गया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। यह निलंबन तब तक प्रभावी रहेगा जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता। भारत और पाकिस्तान के बीच नौ साल की बातचीत के बाद 19 सितंबर, 1960 को कराची में क्हळ पर हस्ताक्षर किए गए थे।

- केंद्र सरकार द्वारा अल्पकालिक वीजा पर सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिए जाने के बाद, एक सप्ताह तक सीमा पार से भारी आवाजाही के बाद 1 मई को अटारी-वाघा सीमा पूरी तरह से बंद कर दी गई थी। 25 अप्रैल को अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट के बंद होने के बाद से, 780 से अधिक पाकिस्तानी नागरिक सीमा पार कर गए हैं, जबकि भारतीय नागरिकों और दीर्घकालिक वीजा वाले पाकिस्तानियों सहित लगभग 1,560 लोग सीमा पार करके भारत आए हैं।

- पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद सरकार ने घोषणा की कि पाकिस्तानी नागरिकों को अब सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, "पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए सभी एसवीईएस वीजा रद्द माने जाएंगे। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय है।"

- 24 अप्रैल को सीसीएस की बैठक के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित घोषित कर दिया और उन्हें देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया। सरकार ने यह भी घोषणा की कि भारत इस्लामाबाद में उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। ये पद निरस्त कर दिए गए हैं और दोनों मिशनों से पाँच सहायक कर्मचारियों को भी वापस बुलाया जाएगा।

- भारत ने पाकिस्तान स्थित अपने उच्चायोग में अपने राजनयिक कर्मचारियों की कुल संख्या भी 55 से घटाकर 30 करने की घोषणा की है, जो 1 मई से प्रभावी हो गई।

- पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद पर नकेल कसते हुए सुरक्षा बलों ने घाटी में आतंकवाद के लिए वांछित लोगों के परिवारों के कम से कम नौ घरों को उड़ा दिया है। ध्वस्तीकरण की शुरूआत लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी आदिल अहमद थोकर के घर से हुई, जिसके बारे में माना जाता है कि वह हमले में शामिल था। पुलवामा, बांदीपोरा और कुपवाड़ा में अन्य संदिग्धों के घरों को भी नष्ट कर दिया गया।

जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा...पहलगाम हमले पर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन का बयान

पुलवामा के बाद पहलगाम जैसे जख्म देने वाले जिहादी जनरल की कहानी क्या है?22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के निकट आतंकवादियों द्वारा मारे गए 26 लोगों में अधिकतर पर्यटक शामिल थे। 1 जुलाई 2016 को आतंकवादियों के एक समूह ने ढाका में होली आर्टिजन बेकरी पर गोलीबारी की, जिसमें 29 लोग मारे गए। पहलगाम हमले में जीवित बचे कुछ लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने लोगों से इस्लामी आयत कलमा पढ़ने की मांग की थी और जो ऐसा नहीं कर सके, उन्हें गोली मार दी गई। नसरीन ने कहा कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद बना रहेगा। यूरोप में चर्च संग्रहालयों में बदल गए हैं, लेकिन मुसलमान हर जगह मस्जिद बनाने में व्यस्त हैं। हजारों मस्जिदें हैं, और वे अभी भी और चाहते हैं। वे जिहादियों को पैदा करते हैं। मदरसे नहीं होने चाहिए। बच्चों को सभी किताबें पढ़नी चाहिए, सिर्फ.एक नहीं।

ईशनिंदा के आरोपों के बाद 1994 से स्वीडन, अमेरिका और भारत जैसे देशों में निर्वासित जीवन जी रही नसरीन ने विदेश में अपने अनुभव के बारे में बताया। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका की स्थायी निवासी हूँ और 10 साल से वहाँ रह रही हूँ, लेकिन मुझे हमेशा एक बाहरी व्यक्ति जैसा महसूस होता रहा। कोलकाता आने के बाद ही मुझे घर जैसा महसूस हुआ। पश्चिम बंगाल से निकाले जाने के बाद भी मुझे दिल्ली में दूसरा घर मिला। इस देश ने मुझे वह अपनापन दिया है जो मेरा अपना देश नहीं दे सकता था।

रिश्वत लेकर बलात्कार की धारा हटाने वाली महिला एसआई दोषसिद्ध होने पर बर्खास्त

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ। दहेज उत्पीडन और बलात्कार के एक मामले में आठ वर्ष पूर्व रिश्वत लेकर विवेचना के दौरान बलात्कार की धारा हटाने के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण संगठन द्वारा पकड़ी गई महिला उपनिरीक्षक अमृत यादव को न्यायालय से दोषसिद्ध होने के बाद नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बर्खास्तगी का आदेश जारी करते हुए बताया कि उ०प्र०, अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दण्ड एवं अपील) नियमावली-1991 के नियम-8 (2) (क) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का राजहित में प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। दोषसिद्ध महिला उप निरीक्षक अमृता यादव वर्तमान में जनपद बागपत में नियुक्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 में कोतवाली निवासी एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीडन और रेप की धाराओं में मुकद्दमा दर्ज कराया था। महिला एसआई श्रीमती अमृता यादव वर्ष 2017 में थाना कोतवाली, जनपद मेरठ में नियुक्त थी। अमृता ने अपनी नियुक्ति के दौरान 13 जून 2017 को महिला के पति समीर पुत्र खन्देरू नदाफ, नि० मकान नं०-सी-918 सीकरी रोड, थाना मोदीनगर, जनपद गाजियाबाद से उक्त मुकद्दमें में रेप की धारा निकालने के नाम पर रिश्वत मांगी। इस पर समीर ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से सम्पर्क किया। मु०अ०स० 82/17 धारा 498ए/324/323/376/511/377/506 भादवि व 3/4 दहेज अधिनियम में धारा 376/377 भादवि कम कराने के एवज में रू0 20,000/- रिश्वत लेते हुए बुढाना गेट पुलिस चौकी से भ्रष्टचार निवारण संगठन मेरठ की टीम द्वारा रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया एवं महिला उप निरीक्षक श्रीमती अमृता यादव के विरूद्ध थाना कोतवाली जनपद मेरठ पर मु०अ०सं० 111/2017 धारा 7/13(1)(डी) सपठित धारा-13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम पंजीकृत किया गया, जिसमें विवेचना उपरान्त आरोप-पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया। विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम / अपर सत्र न्यायाधीश, मेरठ द्वारा अभियोग के विचारण उपरान्त अपने निर्णय दिनांकित 05.09.2024 के द्वारा महिला उप निरीक्षक श्रीमती अमृता यादव को दोषी पाते हुये 07 वर्ष के कठोर कारावास व 75,000/- रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

डीआईजी ने बर्खास्तगी के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपित पुलिस महिला उप निरीक्षक ना०पु० श्रीमती अमृता यादव के विरूद्ध पंजीकृत उक्त अभियोग में मा० न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध किये जाने के फलस्वरूप इनका पुलिस जैसे अनुशासित बल में नियुक्त रहते हुए इस प्रकार का निन्दनीय कृत्य किया जाना न केवल पुलिस विभाग की छवि को धूमिल करता है, अपितु इनके द्वारा पुलिस बल के पदस्थ के रूप में विभाग की गरिमा के विपरीत, इस प्रकार का निन्दात्मक आचरण करना इनकी स्वेच्छाचारिता, अनुशानहीनता एवं गम्भीर कदाचार को दशार्ता है। आरोपित महिला उप निरीक्षक द्वारा इस प्रकार का घोर निन्दात्मक कृत्य विभाग की छवि एवं गरिमा पर भी आम जनमानस के मन में प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि इस प्रकार के आचरण वाले पुलिस कर्मी को विभाग में बनाये रखा जाता है तो इसका कुप्रभाव अन्य पुलिस कर्मियों पर भी पड़ेगा एवं पुलिस बल में नियुक्त अन्य पुलिस कर्मियों में भी इस प्रकार नैतिक अधमता की भावना प्रबल होगी। इस कारण आरोपी पुलिस उप निरीक्षक ना०पु० श्रीमती अमृता यादव को पुलिस बल में बनाये रखने का कोई औचित्य नहीं है।

भारत में नवजात शिशुओं और गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य के लिए समर्पित संस्था लिटिल फीट का भव्य उद्घाटन

एनपीटी ब्यूरो

बागपत। देहरादून की पुलिस लाइन में एक गरिमामय समारोह के दौरान लिटिल फीट संस्था का उद्घाटन भारत के पूर्व शिक्षा मंत्री और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल ह्यनिशंक एवं डॉ. अभिनव तोमर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस संस्था का उद्देश्य नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, सामाजिक शिक्षा और साहित्यिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। लिटिल फीट पूरे भारतवर्ष में सक्रिय है और समाज के कमजोर वर्गों तक सेवा और सहयोग की भावना के साथ कार्य कर रही है।

डॉ. अभिनव तोमर का संबोधन

उद्घाटन समारोह के दौरान डॉ. अभिनव तोमर ने अपने संबोधन में कहाः

> लिटिल फीट संस्था केवल एक हेल्थ प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक समाजिक जागरूकता अभियान है। हमारा उद्देश्य है कि हर नवजात शिशु को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले, हर गर्भवती महिला को सही मार्गदर्शन और देखभाल मिले, और समाज में शिक्षा तथा साहित्य की जड़ें और मजबूत हों। आज का यह आयोजन हमारी मातृभाषा हिंदी को समर्पित है, और उन पुलिसकर्मियों को भी, जो समाज की सुरक्षा में दिन-रात जुटे रहते हैं। लिटिल फीट का यह प्रयास रहेगा कि हम सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक स्तर पर भी जनता से जुड़ें और उन्हें जागरूक करें।

कवि सम्मेलन एवं विशेष आयोजन-इस अवसर पर हिंदी भाषा और साहित्य को समर्पित एक कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसे विशेष रूप से पुलिसकर्मियों को समर्पित किया गया। यह सम्मेलन केवल एक साहित्यिक कार्यक्रम न होकर मातृभाषा की गरिमा को नमन करते हुए, कर्तव्यपथ पर डटे जवानों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक बन गया।

रमेश पोखरियाल निशंक ने संस्था की इस अनूठी सोच की सराहना करते हुए कहा कि लिटिल फीट जैसी संस्थाएं ही भारत को सामाजिक रूप से सशक्त बना सकती हैं। मैं इस मिशन में हर प्रकार का सहयोग देने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा।

संस्था का मूल उद्देश्य

लिटिल फीट का मकसद हैः

नवजात और मातृ स्वास्थ्य की सुरक्षा,

गर्भवती महिलाओं को सही परामर्श और सहयोग,

ग्रामीण और शहरी समाज में शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना,

साहित्य और मातृभाषा हिंदी को जन-जन त पहुँचाना।

इस आयोजन में कई गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस अधिकारी और साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने संस्था के मिशन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और आशा जताई कि लिटिल फीट आने वाले वर्षों में देशभर में एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की मिसाल बनेगी।

पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

एनपीटी ब्यूरो

बागपत। पहलगाम हमले को लेकर ग्राम सुन्हेड़ा में पुराना शिव मंदिर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों ने एकत्रित होकर कैंडल जलाकर पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को भावभीनी श्रदांजली दी।

साथ ही मृतक परिवारो को इस दुख को सहन करने की ईश्वर से प्रार्थना की। दो मिनट का मौन धारण करके भारत माता जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए तथा भारत सरकार से अपील की कि वह आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का प्रयास करें। हम सब भारत की जनता सरकार के साथ है और वह उनका पूरा सहयोग करेंगे। यह कार्यक्रम आजाद हिंद फौज के नायक सुभाष चंद्र बोस की सेना में काम करने वाले स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय चौधरी किशनलाल के सुपुत्र एवं समाजसेवी चंद्रपाल सिंह पंवार के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर अनिल प्रजापति, जय कुमार शर्मा,पंडित श्याम शुक्ला, शिवांश शर्मा, दिनेश कुमार, वंश पंवार, विशाल पंवार, नितिन पंवार, मयंक पंवार, देव सिंह पंवार,नीरज कौशिक, कपिल शर्मा, कार्तिक कौशिक,वंश कश्यप, वंश प्रजापति, शानवी शर्मा,रुद्रांश शर्मा, शोभित पंवार, रुआंषि शर्मा सभी उपस्थित रहे और सभी ने कैंडल जलाकर मृतक लोगों को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

सुनहेड़ा गांव में धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

एनपीटी ब्यूरो

बागपत। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ईकाई सुन्हेड़ा के तत्वाधान में देवीशरण शर्मा के आवास पर भगवान पर?शुराम की जंयती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई।

सभी ने भगवान परशुराम जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर व उन्हें फूल माला पहनाकर नमन किया और उनके विचारों व सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। उसके बाद सभी ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को अपनी श्रद्धांजलि दी और आतंकवादी घटना की घोर निंदा की। तत्पश्चात सभी ने कैडल जलाकार श्रदांजलि दी और दिवंगत आत्माओ की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा। इस मौके पर देवीशरण शर्मा, समाज सेवी देवेंद्र शर्मा, श्रीपाल शर्मा, पंडित नंदकिशोर शर्मा, जयकिशोर शर्मा, प्रवीण शर्मा, गंगाशरण शर्मा, राकेश शर्मा, मिंटू शर्मा, जितेंद्र, मास्टर देवेंद्र शर्मा, लक्ष्मण कुमार शर्मा, जीवन शर्मा, अंकित शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सर्व हितकारी इंटर कॉलेज मीतली ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

एनपीटी ब्यूरो

बागपत। सोमवार को सर्व हितकारी इंटर कॉलेज मीतली में भव्य कार्यक्रम के बीच 81वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष ठा. प्रदीप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व प्रधान ठा. छिददा सिंह ने की, जबकि संचालन प्रधानाचार्य सुबोध कुमार ने किया।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी जीवन में विशेष महत्व है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों, नृत्य और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि ने कहा कि कॉलेज ने 81 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन उपलब्धियां हासिल की हैं और भविष्य में भी यह विद्यालय नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर राधेश्याम शर्मा, इंद्रपाल प्रधान, ओम प्रकाश शर्मा, सोपाल सिंह, सुभाष सिंह, जयवीर सिंह, अशोक चौहान, राकेश शर्मा, कपिल जी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और छात्र-

अमरोहा के हसनपुर में अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापेमारी:सीएमओ से विवाद में भाजपा नेता समेत 23 पर केस, अखिलेश ने उठाए सवाल

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो अमरोहा

अमरोहा के हसनपुर में गंगा अल्ट्रासाउंड सेंटर पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी के दौरान विवाद हो गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने शनिवार को यह कार्रवाई की। जांच में पता चला कि सेंटर पर अल्ट्रासाउंड करने के लिए कोई योग्य चिकित्सक मौजूद नहीं था

इसी दौरान भाजपा नेता पिंटू भाटी और धर्मेंद्र सिंह 15-20 लोगों के साथ वहां आ गए। सीएमओ के मुताबिक पिंटू भाटी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारने की कोशिश की। आरोपियों ने सीएमओ को गाड़ी से जबरन बाहर निकाला। पुलिस की मौजूदगी में उनके साथ धक्का-मुक्की की गई। आरोपियों ने सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की और सरकारी काम में बाधा डाली

सेंटर संचालक धर्मेंद्र कुमार को नोटिस जारी किया गया। लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। प्रभारी निरीक्षक वरुण कुमार ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह, पिंटू भाटी, बुशरा और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना का वीडियो फेसबुक पर शेयर किया है। वीडियो में पिंटू भाटी ने स्वास्थ्य विभाग पर अल्ट्रासाउंड सेंटरों से मोटी रकम वसूलने का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने इसे भाजपा सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार का उदाहरण बताया है

विदेश यात्रा की तैयारी, चार साल में 436 लोगों ने बनवाए इंटरनेशनल ड्राइविंग

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। जिले में पिछले चार साल में 436 से अधिक लोगों ने इंटरनेशनल लाइसेंस बनवाए हैं। इस साल भी 37 आवेदन आए हैं। लाइसेंस बनवाने वालों में अधिकांश युवा हैं, जो विदेश में पढ़ने और नौकरी करते हैं। विदेश घूमने के लिए भी कई लोग लाइसेंस बनवाते हैं क्योंकि वहां ड्राइविंग के लिए कार तभी मिलती है जब उनके पास इंटरनेशनल लाइसेंस हो। यह लाइसेंस कनाडा, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, फिनलैंड समेत 15 देशों में मान्य होता है।

अधिकारियों ने बताया कि इंटरनेशनल लाइसेंस को कई भाषाओं में ट्रांसलेट कर दिया जाता है। परिवहन विभाग में इंटरनेशनल लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदन करने से पहले आवेदक का भारतीय होना और पहले से उसका ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होता है।

उसे यह बताना होता है कि किस देश में कितने समय के लिए उसे लाइसेंस चाहिए। वैध ड्राइविंग लाइसेंस की प्रति, पासपोर्ट की प्रति, वीजा की प्रति के साथ निर्धारित शुल्क जमा करना होता है। प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिवहन विभाग लाइसेंस जारी कर देता है।

एआरटीओ प्रशासन मनोज कुमार का कहना है कि इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस न केवल विदेश यात्रा करने वालों के काम आता है, बल्कि जो कभी-कभार विदेश जाते हैं, उन्हें भी इसका फायदा मिलता है। इसके जरिए ही कई देशों में गाड़ी किराये पर आसानी से उपलब्ध होने के साथ ही ड्राइविंग करने की अनुमति मिलती है। वर्ष 2020 से पहले लाइसेंस बनवाने वालों की संख्या कम थी। चार साल से आवेदकों की संख्या बढ़ रही है।

सुराना गांव स्थित प्राचीन घुमेश्वर महादेव मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण कार्य का शुभारंभ

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो।

मुरादनगर सुराना गांव में स्थित प्राचीन और आस्था का केंद्र माने जाने वाले घुमेश्वर महादेव मंदिर तक जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण कार्य का शुभारंभ आज क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। इस अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

घुमेश्वर महादेव मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां प्रतिवर्ष शिवरात्रि सहित अन्य धार्मिक अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। लेकिन मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क संकरी और खस्ताहाल थी, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लंबे समय से इस मार्ग के चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो रही है।

विधायक अजीतपाल त्यागी ने कहा कि घुमेश्वर महादेव मंदिर न केवल धार्मिक स्थल है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान भी है। सड़क चौड़ी होने से श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, और गांव का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी कहा इस परियोजना पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये की लागत आएगी। कि कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष विपिन चौधरी, उपाध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महामंत्री डॉ संजीव त्यागी, ग्राम प्रधान जंगली फौजी, सतबीर, दुलीचंद यादव, प्रदीप यादव, सुभाष रस्तोगी आदि सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्कैनफेस्ट 2025 | अंतर्राष्ट्रीय मंच पर डॉ. प्राची का परचम

स्कैनफेस्ट 2025 में मोदीनगर का नाम रोशन रखा गया

नेशनल प्रेस टाइम्स , ब्यूरो।

मोदीनगर। एयरोसाइट स्थित हॉलिडे इन होटल में अंतरराष्ट्रीय स्तर का तीन दिव्य रेडियोलॉजी कॉन्फ्रेंस "स्कैनफेस्ट 2025" दिल्ली का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन का मुख्य विषय था "फि टल इमेजिंग " , जिसमें गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य से संबंधित उन्नत मशीनरी और प्रशिक्षण वर्ष पर चर्चा की गई। देश-विदेश से 1000 से अधिक प्रतिष्ठित रेडियोलॉजिस्ट ने इस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। सम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ इजराइल, इंग्लैंड और बार्सिलोना जैसे देशों से भी विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर मोदीनगर की जननी-मनी रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्राची सुपरस्टार्स को भी आमंत्रित किया गया। उन्होंने (गर्भावस्था की पहली

तिमाही में भ्रूण के हृदय में विद्रूपता) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें गर्भ में पल रहे तीन माह के भ्रूण के हृदय की वैज्ञानिक जांच, चारों ओर के चैंबर्स, दीवार, दीवारें, रक्त प्रवाह और अन्य सहयोगियों की अल्ट्रासाउंड प्रयोगशालाओं से जांच की विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ. प्राची के इस अध्ययन और वैज्ञानिक को सभी वैज्ञानिकों ने अत्यंत महत्व दिया। उनके व्याख्यान से कई विशेषज्ञों ने नई जानकारी प्राप्त की और इस जटिल विषय को समझने का नया दृष्टिकोण मिला।

मोदीनगर के चिकित्सा समुदाय ने भी डॉ. प्राची की इस उपलब्धि को गौरव का विषय बताया गया। डॉ. प्राची स्टूडियो की इस उपलब्धि से न केवल मोदीनगर गौरवान्वित हुआ, बल्कि भारत के रेडियोलॉजी विशेषज्ञों को भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिली है।

संपादकीय

आर्थिक स्ट्राइक, कारगर रणनीति

भारत ने पाकिस्तान पर फिलहाल आर्थिक स्ट्राइक की है। हर तरह के आयात-निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई है। किसी और देश के जरिए भी पाकिस्तान का सामान नहीं आ सकेगा। हालांकि 2024-25 में पाकिस्तान से मात्र 4 करोड़ रुपए का आयात किया गया, जबकि भारत का निर्यात 3764 करोड़ रुपए का था। कारोबार बंद करने से नुकसान भारत का ही होगा, लेकिन दुश्मन को चारों खाने चित करने की यह भी एक कारगर रणनीति है। पाकिस्तान में पंजीकृत या उसके झंडे वाले जहाज और नौकाएं भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ सकेंगी। उनके प्रवेश पर भी पाबंदी लगा दी गई है। सभी तरह की डाक सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। पाकिस्तान की चौतरफा घेरेबंदी की जा रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, आसियान विकास बैंक में भी शिकायत दर्ज करेगा कि पाकिस्तान को दिए जा रहे कर्जों की गहन समीक्षा की जाए, क्योंकि गुरबत और गरीबी के नाम पर जारी किए जा रहे कर्जों का पैसा आतंकवाद पर खर्च किया जा रहा है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 7 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। जुलाई, 2024 से इस कर्ज की किस्तें शुरू हुई हैं। कुल 37 किस्तों में यह कर्ज दिया जाना है। मई, 2025 में ही आईएमएफ का बोर्ड 1.3 अरब डॉलर के कर्ज पर विमर्श करेगा। भारत इस आर्थिक स्रोत को भी खंडित कर पाकिस्तान की भुखमरी और बदहाली को इतना बढ़ा देना चाहता है कि पाकिस्तान बिलबिला उठे और आतंकियों को पालने-पोसने लायक ही न रहे। आसियान विकास बैंक ने भी पाकिस्तान को 43.4 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था।

अभी तक कुल 53 कर्ज और 3 अनुदान दिए जा चुके हैं। कुल राशि 9.13 अरब डॉलर की है। खैबर पख्तून की ग्रामीण सडक विकास परियोजना के लिए 32 करोड़ डॉलर देने की बात कही गई है। इसी तरह जनवरी, 2025 में विश्व बैंक ने पाकिस्तान को 20 अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की थी। पाकिस्तान कर्ज के पैसे पर जिंदा देश है। यदि भारत के आग्रह और साक्ष्यों के आधार पर पाकिस्तान को मिलने वाले ये कर्ज रद्द या कम अथवा स्थगित कर दिए जाते हैं, तो वहां की अवाम सडकों पर उतर कर मुल्क की हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर सकती है। पाकिस्तान की 40 फीसदी से अधिक अवाम गरीबी-रेखा के नीचे जीने को विवश है। वहां की औसत गरीबी-दर करीब 25.3 फीसदी और महंगाई दर करीब 13 फीसदी है। पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2 फीसदी से भी कम है। भारत की आर्थिक स्ट्राइक पाकिस्तान को और अधिक विपन्न कर सकती है। जरूरी वस्तुओं का अकाल पड़ सकता है। चीन और तुर्किये सरीखे देश पाकिस्तान की कितनी मदद कर सकते हैं? सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सरीखे इस्लामिक देशों ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का समर्थन किया है। चीन फिलहाल खामोश है। पाकिस्तान का वजूद संकट में घिरता लग रहा है। इन कर्जों के अलावा, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फाट्फ) का रास्ता भी भारत के लिए खुला है। पाकिस्तान 2012-15 और 2018-22 के दौरान फाट्फ की ग्रे लिस्ट में रहा है। इससे विदेशी निवेश और कर्ज मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। लगभग असंभव स्थिति बन जाती है। यह संगठन आतंकवाद पर देशों की समीक्षा करता है। ग्रे लिस्ट के बाद देश ब्लैक लिस्ट में आ जाएं, तो दुनिया के देश भीख भी नहीं देते। फाट्फ की बैठक 9 मई को है। उसके 40 में से 25 सदस्य भारत के समर्थन में हैं। फिर भी भारत को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों की फंडिंग के सबूत देने होंगे।

अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं।

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद

ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निमार्ताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौड़े दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरू किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निमार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दौड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। इन्दिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

सपा की पीडीए पंचायत, शामिल होंगे रामजीलाल सुमन, सपाईयों ने डीएम से मिलकर मांगी सुरक्षा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मेरठ। आगामी 11 मई को मेरठ के नूरनगर लिसाड़ी में सपा की तरफ से होने वाली पीडीए पंचायत में सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन भी शामिल होंगे। रामजीलाल के बयान और करनी सेना द्वारा उन्हें जान से मारने की धमकी देने और उन पर अलीगढ में हुई हमले की घटना को देखते हुए सपाईयों ने आज डीएम से मिलकर परमिशन के लिए लेटर दिया और सुरक्षा की मांग की। इसके बाद समाजवादी पार्टी कार्यालय जेल रोड मेरठ पर मीटिंग संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि एकता भवन नूर नगर लिसाली रोड पर राष्ट्रीय महासचिव राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन जी के मेरठ में पी डी ए पंचायत के लिए चर्चा हुई जिसमें समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष विपिन चौधरी ने सभी कार्यकताओं से पी डी ए पंचायत को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी सोंपी। सभी कार्यकताओं से आह्वान किया गया कि 11 तारीख को होने वाली पंचायत में सभी कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। जिला कोषाध्यक्ष निरंजन सिंह ने कहा जल्द से जल्द यूथ कमेटी व वी एल ए बनाकर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराय जिसमें मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष आदिल चौधरी शाहिद मंजूर विधायक मुखिया गुर्जर जिला कोषाध्यक्ष निरंजन सिंह पूर्व विधायक योगेश वर्मा एहतेशाम इलाही योगेंद्र सोल्दा मुद्राला यादव किशन जाटव फिरोज चौहान। हरविंदर जाटव डॉ आदित्य गुर्जर रविंद्र प्रेमी नकुल सीयल शशिकांत गौतम नेहा गोंड संगीता राहुल आसमा परवीन आस मोहम्मद ओम प्रकाश खटीक संजय यादव शमसुद्दीन कुरेशी शाहिद पहलवान वसीम अंसारी रामचंद्र यादव गौरव काजीपुर अजय अधना साकिब सईद धर्मेंद्र चपराना नूर मोहम्मद रहमानी धनीराम गौतम जीशान अहमद असलम मंसूरी सिद्धार्थ सिंह जाटव अनंत यादव मोनू गुर्जर धर्मवीर यादव गुलफाम सैफी सोनिया मेसी हिमांशु सिद्धार्थ कुलदीप सेन आमिर सैफी जॉनी बहुजन रोहित जाटव नितिन त्यागी इकराम वालियान पार्षद शब्बीर कसार पार्षद अजय सागर शेरा जाटव हाजी जुल्फी, सुभाष मलिक, अनिल वर्मा (एडवोकेट) आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अगले चार दिन और बारिश के आसार

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। जिले में रविवार शाम अचानक मौसम बदल गया। तेज हवा के साथ बारिश हुई और कहीं-कहीं ओले भी गिरे। सोमवार की सुबह भी बरसात हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय रहने से चार दिन और बारिश, बादल छाए रहने और तेज हवा चलने की भविष्यवाणी की है। दिन में तेज धूप छाने से लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हो गए। दोपहर बाद बादल छाए और शाम करीब 4 बजे बारिश शुरू हो गई। बारिश की वजह कई जगह वाहनों की रफ्तार थम गई और जब बारिश रुकी तो जाम की स्थिति हुई।

जिले का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम 37.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 8 मई तक बारिश और तेज हवाएं चलने के आसार हैं।

नदी का कटान रोकने को टेंडर प्रक्रिया शुरू, 1.83 करोड़ रुपये का बजट मंजूर

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। कैलाश नदी में बाढ़ के दौरान कटान को रोकने के हाजीपुर, खजुरिया के पास बांध बनाए जाएगा। इसके लिए 1.83 करोड़ रुपये का बजट मंजूर हो गया है और शासन ने 1.10 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी है। बाढ़ खंड विभाग के एक्सईएन का कहना है कि टेंडर आमंत्रित कर दिए हैं। निविदाएं खुलने के साथ ही एक सप्ताह में ठेकेदार का चयन होने के बाद काम शुरू करा दिया जाएगा।

हर साल बारिश के दौरान अलग-अलग बैराजों से छोड़े गए पानी के कारण कैलाश नदी उफान पर आ जाती है, जिससे कई गांव बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। पिछले साल आई बाढ़ की वजह से फरीदपुर में कैलाश नदी ने हाजीपुर, खजुरिया समेत कई गांवों को अपनी चपेट में लिया था। जिस कारण किसानों की हजारों बीघा फसल पानी में समा गई थी। वहीं, कई जगह जमीन का कटान भी हुआ था।

एक्सईएन नीरज कुमार ने बताया कि कटान रोकने के लिए बांध बनाने समेत अन्य काम के लिए 1.83 करोड़ का बजट मंजूर किया है। शासन ने 1 मई को एक करोड़ 10 लाख रुपये की धनराशि भी जारी कर दी है। परियोजना एक महीने देरी से स्वीकृत हुई। काम अब तक शुरू हो जाना चाहिए था क्योंकि 15 जून से मानसून आ जाएगा। लिहाजा, ठेकेदार फाइनल होने से पहले ही बहगुल नदी से सटे गांवों में संभावित कटान को रोकने के लिए पूरे बांध का निरीक्षण किया जा रहा है, जहां भी मरम्मत लायक कार्य होगा, उसे समय रहते पूरा कराया जाएगा।

सरकारी नियमों की उड़ रहीं धज्जियां, सुबह के समय शराब की दुकानों पर बिक रही देसी शराब ,वीडियो वायरल

एनपीटी ब्यूरो

बरेली।थाना बारादरी क्षेत्र के संजयनगर क्षेत्र में मठिया के निकट देशी शराब के ठेके पर 24 घंटे देसी शराब की बिक्री खुलकर की जाती है। जबकि आबकारी विभाग द्वारा शराब को बेचने का समय सुबह दस बजे से लेकर रात के दस बजे तक निर्धारित किया गया है। बरेली महानगर में अंग्रेजी और देशी शराब खुलेआम बेचते हुए मिल जाएंगे, जिसका एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें साइड की छोटी खिड़की से एक ग्राहक शराब का क्वार्टर खरीदते हुए दिखाई दे रहा है।

तो कहीं शटर के नीचे से 75 रुपए वाला पौवा 100 रुपए में लेता दिखाई दे रहा है अनुज्ञापी द्वारा पत्तपत्त देसी शराब की दुकान पर सुबह से देर रात तक अवैध रूप से शराब बिक्री की जा रही है। आबकारी विभाग अपनी आंखें बंद किए हुए हैं इस संबंध में सेक्टर 2 के आबकारी इंस्पेक्टर सुधांशु चौधरी को अवगत कराया गया तो उन्होंने कहा मैं दिखवाता हूं चार दिन बीतने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ अब देखना यह है कि कब आबकारी विभाग नींद से जागता है ।

शरारती तत्वों ने बाबा साहब की प्रतिमा को किया खंडित ग्रामीणों में रोष,मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद । अज्ञात शरारती तत्वों ने द्वारा पार्क मे लगी बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति कों खंडित कर दिया गया।जिसकी सूचना पर पार्क में भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।इसके बाद गुस्साए लोगों ने जमकर नारेबाजी की। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया और जांच शुरू कर दी।

घटना मझोला थाना क्षेत्र के गांव भोला सिंह की मिलक से सामने आई। जहां पर पार्क में मौजूद बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को ईंटों से तोड़ दिया गया।ग्रामीणों ने की सूचना पर सीओ सिविल लाइन्स मौके पर पहुंचे,इसके बाद फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस को मूर्ति के पास में ईंट भी पड़ी मिली हैं।

नगर विधायक रितेश गुप्ता और पूर्व सांसद ग्रीश चंद्र मौके पर पहुंचे

जैसे ही ये बात नगर में फैली तो भारतीय जनता पार्टी से नगर विधायक रितेश गुप्ता और पूर्व सांसद ग्रीश चंद्र मौके पर पहुंचे।भाजपा विधायक ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाएं रखें।विधायक द्वारा बाबा साहब की नई मूर्ति लगवाने का ऐलान किया गया जिस पर ग्रामीण शांत हुए। भाजपा विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि बाबा साहब भारत रत्न हैं,उनकी प्रतिमा से छेड़छाड़ करना गलत है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी। इस प्रतिमा का निर्माण कार्य हमारे द्वारा कराया जाएगा। बाबा साहब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

घटना पर जानकारी देते हुए एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मझोला थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि भोला सिंह की मिलक में बाबा साहब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। सूचना पर तत्काल सीओ सिविल लाईन्स मय फोर्स मौके पर पहुंचे। आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। ये बहुत ही गंभीर मामला है इस पर पुलिस टीम बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस के हाथ बहुत महत्वपूर्ण सुराग लगे हैं। ये प्रतिमा बीती 14 अप्रैल को ही स्थापित की गई थी। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

शहीदों को नमन: मुरादाबाद में श्रद्धा और जोश से मनाया गया 'बलिदानियों के नाअम' कार्यक्रम

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। अखिल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन मुरादाबाद द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को आयोजित होने वाला ह्यस्वतंत्रता सेनानी एवं बलिदानियों के नामह्व कार्यक्रम इस माह भी पूरे श्रद्धा और जोश के साथ सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम सेनानी भवन स्थित शहीद स्मारक पर सुबह 10:10 बजे आरंभ हुआ।

बलिदानियों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

कार्यक्रम में सेनानियों के उत्तराधिकारियों ने वीर बलिदानियों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके गौरवमयी इतिहास का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि भारत आज भी उन सपनों को साकार करने की ओर अग्रसर है, जिन्हें स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। उन्होंने यह भी कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक उनके त्याग का ऋणी है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में हाल ही में हुए पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे भी पाकिस्तान की ह्यईंट से ईंट बजाने को तैयार हैं।

कार्यक्रम का संचालन धवल दीक्षित ने किया

इस अवसर पर इशरत उल्ला खां, देवेंद्र सिंह सिसोदिया (कार्यवाहक अध्यक्ष), विश्व बंधु विश्नोई, आई.सी. गौतम, पी.के. पूर्वी, संजय त्यागी, जितेंद्र गुप्ता, मुजाहिद अली, भारत भूषण, कुशल पाल सिंह, पूनम चौहान एवं राजकुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एडवोकेट विवेक कुमार पांडेय मिली सुलह अधिकारी की जिम्मेदारी

एनपीटी ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद ।माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014 में दी गई व्यवस्था के अनुसार विभिन्न जनपदों में जिलाधिकारी के अध्यक्षता में अपीलीय अधिकरण एवं उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भरण पोषण अधिकरण का गठन किया गया। जनपद में अभी अवस्थित तहसीलों में विधिक व्यवस्था हेतु सुलह अधिकारियों की तीन वर्षों के लिए तैनाती की गई है, ताकि उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित अधिकरण विधिवत संचालित हो सके।नगर शाहबाद में ग्राम ऊंचागांव निवासी विवेक कुमार पांडेय को सुलह अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से मिली इस सेवा को पाकर लोगों ने उन्हें बधाइयां देना प्रारंभ कर दिया उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि उन्हें नगर की जनता की सेवा करने का जो अवसर प्राप्त हुआ है उसे वह पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ और शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप उत्कृष्ट सेवा करने का पूरा प्रयास करेंगे।

पीओके भारत का हिस्सा, उसे वापस आना चाहिए: राकेश टिकैत

एनपीटी ब्यूरो

गाजियाबाद-भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का अभिन्न हिस्सा है और उसे हर हाल में वापस आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जनता की आवाज है कि सरकार और सेना को इस दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए। पीओके के लोग भी भारत के समर्थन में हैं और उनके बयानों से यह साफ झलकता है।

गोवर्धन में बंदरों की मौत से फैली सनसनी, पुलिस ने हिरासत में विदेश नागरिक

मथुरा में गिर्राज जी की नगरी गोवर्धन में बेजुबान बंदरों को एयर गन से मारने का मामला सामने आया है। बंदरों की हत्या का आरोप विदेशी नागरिक पर लगा है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद पुलिस ने विदेशी नागरिक को भी हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। गोवर्धन के आन्यौर गांव गोविंद कुंड स्थित आश्रम के बाहर पिछले डेढ़ महीने से बंदरों की मौत का सिलसिला जारी है, लेकिन लोगों को पता नहीं चल पा रहा था कि बंदरों की मौत आखिर किस वजह से हो रही है। वहीं सोमवार को कई दर्जनों बंदरों के मरने और कई दर्जनों बंदरों के घायल होने की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो भारी संख्या में ग्रामीणों का हुजूम लग गया। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पशु चिकित्सा टीम द्वारा पाया गया कि घायल बंदर के सिर में एयर गन के छर्रे लगे हुए पाए गए, जिनका उपचार चिकित्सकों द्वारा कर किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने सोमवार की दोपहर 12 बजे आश्रम के महंत जानकी दास पर बंदरों को मारने का आरोप लगाया है। आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए आश्रम के चारों ओर पुलिस तैनात कर दी गई है। बंदरों की निर्मम हत्या के बाद गौ रक्षक दल के कार्यकताओं में आक्रोश है। वहीं थाना गोवर्धन पुलिस द्वारा आश्रम में रह रहे यूक्रेन निवासी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर कर दी है।

मुजफ्फरनगर से आए वैज्ञानिकों ने त्रिवेणी और बिलासपुर चीनी मिल का किया भ्रमण

एनपीटी ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर । सोमवार को मिलक के नारायणपुर स्थित त्रिवेणी चीनी मिल में गन्ना शोध केंद्र मुजफ्फरनगर से आए वैज्ञानिकों की टीम द्वारा जनपद रामपुर की त्रिवेणी चीनी मिल क्षेत्र में कीट एवं रोग के प्रकोप के आपतन आंकलन हेतु क्षेत्रीय भ्रमण किया विवरण के दौरान वैज्ञानिको की टीम ने ग्राम चक मवाना में परमजीत सिंह के खेत में 13235 के प्लांट ग्राम महमूदपुर में फूल सिंह के खेत पर गन्ना 0118 जटपुरा के कृषक रघुवीर के खेत में 5011 के प्लांट और सुरजीत के खेत में 0118 कृषक दिलवाग सिंह के खेत में गन्ना 17 231 से मैपिंग प्लांट पर वैज्ञानिकों द्वारा निरीक्षक पायरिया का माइल्ड लोड से लेकर ब्लैक बग टॉप वोरर का अपतन प्रकोप को पाया गया है टॉप वोरर 5- 7 पाया गया है वैज्ञानिक दल ने किट एवं रोग के निमंत्रण के लिए भ्रमण के दौरान केंद्र मुजफ्फरनगर के डॉ जेपी सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एसपी सिंह डॉ अजय कुमार सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक किट के साथ साहब सिंह सिद्धार्थ ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिलक नारायणपुर चीनी मिल त्रिवेणी के महाप्रबंधक देवेंद्र सिंह गन्ना प्रबंधक गुरनाम सिंह संजीव पांडे राजीव गन्ना पर्यवेक्षक सुरेंद्र सिंह जोनित कुमार आदि लोग मौजूद रहे इसके बाद बिलासपुर चीनी मिल क्षेत्र के ग्राम पहाड़पुर , बेरखेड़ी, बिशारत नगर का भी भ्रमण कर गन्ना रोग एवं कीट के प्रकोप की जांच की इस अवसर पर गन्ना विकास परिषद के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक दुर्गेंद्र गौतम मौजूद रहे.

परशुराम शोभायात्रा समिति रजि. द्वारा माहेश्वरी धर्मशाला से बड़े ही धूमधाम से निकाली

एनपीटी ब्यूरो

मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति रजि. द्वारा माहेश्वरी धर्मशाला से बड़े ही धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। इससे पूर्व सुबह 10 बजे वैदिकमंत्र उच्चारण के साथ विश्व शांति के लिए परशुराम जी के समक्ष समिति के अध्यक्ष पंडित राम गोपाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री बंसीकलाल शर्मा एवं समस्त टीम के द्वारा हवन यज्ञ किया गया। इसमें सचिव गौरव कांत शर्मा, सचिव राकेश गौड़, केके शर्मा, ललित स्वामी, लब्बू पंडित, सुनील शर्मा, संजय पिपरोनिया आदि उपस्थित रहे। शाम 4 बजे माहेश्वरी धर्मशाला पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जि?समें अखिलेश गौड़, आशुतोष भारद्वाज, सचिव राकेश गौड़, गजेंद्र शर्मा, चंद्र प्रकाश कवि, मथुरा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा एवं सचिव शिव कुमार लवानिया ने अपने विचार प्रकट कि?ए। 151 विप्र समाज के वरिष्ठ जन एवं 70 महिलाओं का स्वागत समिति के पदाधिकारी द्वारा तस्वीर, पगड़ी, शॉल, दुपट्टा पहनाकर किया गया।

शोभायात्रा में राकेश गौड,पंडित प्रशांत शर्मा एडवोकेट,गोलू पंडित, शुभम उपाध्याय,कन्नू सारस्वत पत्रकार, ओपी उपाध्याय, मुरलीधर शर्मा, परशुराम शर्मा, अखिलेश गौड़, द्वारका पेड़े वाले, डॉ संजय गौड़, गुसाई पेड़े वाले, राम ट्रांसपोर्ट वाले, अनिल कौशिक, कृष्ण मुरारी दीक्षित, गुड्डू गौतम, योगेंद्र शर्मा, केके शर्मा राधापुरम, चंद्र प्रकाश टावर वाले, राजा दीक्षित, सुभाष तिवारी, जन्म संस्थान से अनुराग पाठक, वृंदावन से योगेश द्विवेदी, बंसी तिवारी, मुकेश गौतम थे। सभी महिलाओं का स्वागत परशुराम शोभा यात्रा समिति की मातृ शक्ति भावना शर्मा के द्वारा किया गया। उसके उपरांत भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राम गोपाल शर्मा के द्वारा सुसज्जित डोले पर भगवान परशुराम जी के चित्रपट पर आरती कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया।

संत कुलविंदर दास ने यमुना नदी की दुर्दशा पर जताई चिंता

एनपीटी ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन में पवित्र रासमंडल में पंजाब से आए सतगुरु दरबार द्वारा तीन दिवसीय सत्संग महोत्सव का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम का समापन ठाकुरजी की आरती और संतों के विचारों के साथ हुआ। संत कुलविंदर दास महाराज ने कहा तीन दिनों तक विभिन्न प्रांतों से आए भक्तों ने सत्संग का लाभ उठाया और वृंदावन की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया। उन्होंने यमुना नदी की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सबको मिलकर यमुना शुद्धिकरण के लिए प्रयास करना चाहिए। ठाकुर राधा दामोदर मंदिर के सेवायत कनिका प्रसाद गोस्वामी ने कहा कि वृंदावन वही आता है जिसे राधारानी बुलाती हैं। बड़े रासमंडल के महंत लाडली शरण महाराज ने श्रीधाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यह वह भूमि है जहां ठाकुरजी ने महारास रचाया और हर भक्त को यहां आकर भक्ति में लीन हो जाना चाहिए। संचालन ठाकुर राधा दामोदर मंदिर के अंगसेवी दामोदर चंद्र गोस्वामी ने किया।

साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडर से 45.70 लाख हड़पे

मथुरा। शहर के धौली प्याऊ निवासी शेयर ट्रेडर्स को साइबर ठगों ने 45.70 लाख रुपये का चूना लगा दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर कोतवाली के धौली प्याऊ क्षेत्र निवासी रवि कुमार सक्सेना ने बताया कि वह शेयर ट्रेडिंग का कार्य करते हैं। 7 दिसंबर 2024 को उनके फेसबुक के माध्यम से आयन जोसफ नाम के व्यक्ति ने संपर्क किया। इसके बाद मोबाइल नंबर लिया और व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू कर दी। आरोपी ने शेयर मार्केट का अपना लंबा अनुभव बताया। आरोपी ने उनसे आधार और पैनकार्ड लेकर आदित्य प्रो एप पर रजिस्ट्रेशन कराया। बताया कि इस ग्रुप पर विशेषज्ञ सही समय पर शेयर बेचने और खरीदने की जानकारी देते हैं। वह बातों में आ गए और 6 जनवरी तक 45.70 लाख रुपये की धनराशि शेयर मार्केट में निवेश कर दी। समय पूरा होने के बाद जब उन्होंने रुपये मांगे तो ब्रोकरेज फीस के नाम पर 89 लाख रुपये की मांग की। इसके बाद उन्हें अपने साथ साइबर ठगी का अहसास हुआ। पीड़ित ने साइबर थाने में जोसफ और प्रो. सेथूरथनम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसपी क्राइम अवनीश कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला है कि धनराशि 36 से अधिक खातों में डाली गई है। खाता स्वामियों की जांच की जा रही है, साथ ही सभी खातों में होने वाला लेन देन बंद करा दिया है।

वक्फ कानून से जुड़ी जानकारियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर

एनपीटी ब्यूरो

मथुरा। वक्फ कानून से जुड़ी जानकारियां जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपाई जनजागरण अभियान पर जोर दे रहे हैं। रविवार को अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने वक्फ कानून पर जोर दिया। पुष्पांजलि स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री हेमंत राजपूत ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम कमजोर वर्ग एवं मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत करने में सहायक होगा। यूपीए सरकार ने वक्फ के अधिकारों को कमजोर कर दिया था। इसमें पारदर्शिता की कमी और हितधारकों की चिंताओं को नजरअंदाज करने के साथ ही बिना किसी नियम कानून के फैसले लिए गए थे। भाजपा सरकार में इन खामियों को दूर किया गया है।दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुलाम मोहम्मद ने नए वक्फ कानून की नीतियों पर जोर दिया। कहा कि कानून विरासत एवं व्यक्तिगत संपत्तियों के अधिकारों की सुरक्षा करेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने वक्फ से जुड़ी जानकारियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने को कहा। अमन ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष एसएल अल्वी, रहीश, अल्तमज निजाम, भगत सिंह जादौन और सत्यपाल चौधरी आदि अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवैध पार्किंग | प्रदेश में अवैध पार्किंग पर लगेगा प्रतिबंध

प्रमुख स्थलों पर अधिक शुल्क वसूलने की तैयारी, आज लगेगी मुहर

एनपीटी ब्यूरो

लखनऊ । प्रदेश में अवैध पार्किंग के धंधे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की नियमावली तैयार कर ली गई है। मंगलवार को होने वाली कैबिनेट मीटिंग में इसको अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्रदेश में अवैध पार्किंग के धंधे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की नियमावली तैयार कर ली गई है। नियमावली में प्राइम टाइम जैसे सुबह 7 से 12 और शाम 5 से 8 बजे तक अधिक शुल्क वसूलने की भी व्यवस्था की जा रही है। नई नियमावली में शहर के प्रमुख स्थलों पर भी अधिक पार्किंग शुल्क लिया जाएगा। इस नियमावली को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को होने वाली कैबिनेट में मंजूरी दी जाएगी । इसके अलावा कैबिनेट में आठ अन्य प्रस्तावों को विचार के लिए रखा जाएगा।

बता दें कि नगर विकास विभाग ने उत्तर प्रदेश नगर निगम (पार्किंग स्थान का सन्निर्माण, अनुरक्षण एवं प्रचालन) नियमावली-2025 को तैयार करते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया था। इसके आधार पर स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। पार्किंग स्थल पर सीसीटीवी कैमरा, डिजिटल संकेतक, बूम बैरियर, पार्किंग स्थल पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की व्यवस्था, एएनपीआर कैमरा, सिस्टम, हैंडहेल्ड पीओएस डिवाइस, फास्टैग से भुगतान आदि की व्यवस्था होगी। सचिवालय सेवा के आठ विशेष सचिव के पद भी बढ़ाने पर विचार हो सकता है। कैबिनेट में इसके अलावा परिवहन विभाग द्वारा स्टेज कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व ऑल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क नीति का प्रस्ताव भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

ऊर्जा विभाग द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग के आधार पर 1600 मेगावाट तापीय पावर परियोजना से 1500 मेगावाट ऊर्जा क्रय करने का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। इसके अलावा औद्योगिक विकास विभाग उप्र वैश्विक क्षमता केंद्र नीति 2024 का प्रस्ताव भी मंजूरी के लिए पेश होगा। कार्मिक विभाग द्वारा उप्र सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) (द्वितीय संशोधन) नियमावली 2025 को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी जा सकती है। इसके अलावा चिकित्सा शिक्षा, वित्त एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के प्रस्ताव भी कैबिनेट के समक्ष मंजूरी के लिए रखे जाएंगे।

जाखलौन में सामान्य ज्ञान कंपटीशन में पुरस्कार पाकर खुश हुए बच्चे

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर जाखलौन कस्बे के एक विद्यालय में गत सप्ताह आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के पुरस्कार विधायक रामरतन कुशवाहा ने वितरित किए। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय प्रतियोगिता का है जो जितना तेज दौड़ेगा वही आगे बढ़ेगा।सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से उनका लाभ उठाने की अपील की।नगर पंचायत पाली चेयरमैन मनीष तिवारी ने प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए नगर पंचायत द्वारा तैयार होने वाले ऐप से जुड़ने की अपील की। कस्बे में राजेंद्र अग्निहोत्री फाउंडेशन और लायंस क्लब इंटरनेशनल के द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था जिसमें कई ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को उभारने और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए किया गया था।जिसमें कई ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों ने भाग लिया था।आज परिणाम घोषित कर विजयी प्रतिभागियों

को पुरस्कार,प्रमाण पत्र शील्ड वितरित की गई।प्रतियोगिता में सीनियर (कक्षा 9 से 12) और जूनियर(कक्षा 6से 8) दो ग्रुप बनाए गए थे।सीनियर वर्ग में प्रवेंद्र राजा प्रथम,गौरीश तिवारी,तन्मय साहू द्वितीय,हर्ष यादव,कृष राजा तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में प्रिंसी प्रथम शिव एवं प्रियांशी जैन द्वितीय,नव्या जैन तृतीय स्थान पर रहे। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र और शील्ड वितरित किए गए।सम्मान पुरस्कार मिलने पर विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर अपनी खुशियों का इजहार किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को शासन से निशुल्क मोबाइल वितरित किए जा रहे हैं।जिनका सही उपयोग कर विद्यार्थी अपने उज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।मोबाइल का उचित और सही उपयोग आपका भविष्य निर्माण कर सकता है वहीं गलत दिशा में किया गया उपयोग भविष्य को बर्बाद भी कर सकता है इसलिए मोबाइल का सदुपयोग करिएगा। इस महीने आने वाली हीट वेव से बचने की सलाह भी दी। चेयर पर्सन मनीष तिवारी ने नगर पंचायत पाली में चलाई जा रही कैरियर क्लासों और काउंसिलिंग की जानकारी देते हुए कहा कि कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाओं में आपने कैसा अध्ययन किया यही आपका भविष्य निर्धारित करेगा।उन्होंने जल्द ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लॉन्च किए जा रहे ऐप की जानकारी देकर विद्यार्थियों से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में लायंस क्लब की ओर से महेंद्र प्रताप सिंह बुंदेला पप्पूराजा ने क्लब के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में गरीब और पात्र विद्यार्थियों को हर तरह से सहयोग करने का आश्वासन देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने से रोकने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आने दी जाएगी।कार्यक्रम में कुं0 शैलेन्द्र सिंह बुंदेला,सुरेश निरंजन जिलाध्यक्ष लायंस क्लब,उमाशंकर चौबे,केपी राजा,प्रशांत तिवारी, ग्राम प्रधान मुकेश बबेले,नरेंद्र ताम्रकार,आशीष चौरसिया,दिनेश रिछारिया,जयदेव मिश्रा,विष्णु लिटौरिया,दीपक पुरोहित,राजीव पुरोहित,नीलेश नायक,मनोहर अहिरवार,अजयपाल अहिरवार,प्रभु साहू जानू साहू, गुलाब प्रजापति, दिनेश गोस्वामी,कैलाश नांगल,माधव राजपूत,प्रदीप जैन, कैलाश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और प्रतिभागी शामिल हुए।अंत में विद्यालय की ओर से विप्रेन्द्र प्रकाश कौन्तेय ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

जडिया परिवार द्वारा अन्नपूर्णा निराश्रित आश्रम के एक कमरे के निर्माण के लिए ढाई लाख रूपए का नगद दान दिया गया

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर मनमोहन आयुष जड़िया मोहन ज्वेलर्स द्वारा स्वर्गीय प्रेम नारायण जडिया जी की पुण्य स्मृति में अन्नपूर्णा सेवा संघ ललितपुर के अंतर्गत मानसिक रूप से विक्षिप्त बेघर एवं असहाय जरूरतमंदों के आश्रय हेतु निमार्णाधीन अन्नपूर्णा निराश्रित आश्रम के एक कमरे के निर्माण के लिए ? 251000 की धनराशि नगद प्रदान की गई है। तथा साथ ही साथ स्वर्गीय श्री प्रेम नारायण जडिया जी की पुण्य स्मृति में अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा जिला अस्पताल परिसर में अन्नपूर्णा भोजनशाला हाल में संचालित अन्नपूर्णा भोजशाला में जरूरतमंद के लिए लगभग 500 लोगों को निशुल्क भोजन कराया गया।

इस अवसर पर अन्नपूर्णा

के पदाधिकारीयों द्वारा जडिया परिवार का सम्मान पत्र देकर सम्मान किया गया। तथा उनके परिवार का आभार व्यक्त किया गया

अन्नपूर्णा सेवा समिति पदाधिकारीयों ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा अन्नपूर्णा भोजनशाला अन्नपूर्णा एंबुलेंस सेवा सहित कई योजनाएं ललितपुर जिले में जनहित में चलाई जा रही है अब निराश्रित मानसिक रूप से अक्षम लोगों के जीवन यापन हेतु अन्नपूर्णा निराश्रित आश्रम बनाया जा रहा है जिसमें दो परिवारों द्वारा जगह प्रदान की गई है अब जन-जन के सहयोग से इसका निर्माण संभव है अतः सभी से अनुरोध है कि वह अपनी क्षमता अनुसार अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें जिससे कि अन्नपूर्णा निराश्रित आश्रम अतिशीघ्र शुभारंभ हो सके तथा उसका लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

सहरिया लोकनृत्य कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

एनपीटी ब्यूरो

बालाबेहट । उत्तर प्रदेश लोक जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं सर्वहित सर्वोपरि जनकल्याणकारी संस्थान द्वारा सहरिया जनजाति के पारंपरिक लोकनृत्य सहरा नृत्य और गायन की दस दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी के मुख्य आतिथ्य और संस्कार भारती ललितपुर अध्यक्ष ब्रजमोहन संज्ञा, कोषाध्यक्ष के के पाठक, पत्रकार सन्मान सिंह, मक्खन सिंह के विशिष्ठ आतिथ्य में हुआ ।

दीप प्रज्वलन के पश्चात मास्टर हीरालाल प्रजापति ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया ।

कार्यशाला संयोजक सर्वहित सर्वोपरि जनकल्याणकारी संस्थान अध्यक्ष संजय तिवारी राष्ट्रवादी ने बताया कि उत्तर प्रदेश की विभिन्न जनजातियों की संस्कृति संस्कार और कलाओं के संरक्षण संवर्धन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश लोक जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान एवं संस्कृति विभाग प्रदेश के 75 जिलों में कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है, विभिन्न कलाओं के विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण हेतु चुने गए हैं ।

प्रशिक्षण उपरान्त टीम को वाद्य यन्त्र और पारंपरिक वेशभूषा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी और प्रशिक्षित कलाकारों को देश प्रदेश में प्रस्तुति हेतु मंच उपलब्ध कराए जाएंगे ।

वर्षो से नौनिहाल कर रहे सड़क का इंतजार, स्कूल तक सड़क नहीं होने से बरसात में पढ़ाई हो जाती ठप्प

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी बरसात आते ही छोटे-छोटे नौनिहाल विद्यालय से दूर हो जाते हैं ' मात्र 300 मीटर की कच्ची सड़क इन बच्चों की पढ़ाई में बाधक बन गई है ' ग्राम पंचायत कुम्हेड़ी के खिरकापुरा स्थित प्राथमिक विद्यालय के छोटे छोटे बच्चे सालों से विद्यालय तक सड़क निर्माण का इंतजार कर रहे हैं ' इन छात्र-छात्राओं के लिए 300 मीटर की कच्ची सड़क इनके शिक्षण कार्य में बाधा बन रही है ' ग्राम पंचायत कुम्हेढ़ी के खिरकापुरा के ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में 300 मी कच्ची सड़क से छात्र-छात्राओं को विद्यालय जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है ' कीचड़ युक्त मार्ग से निकलने पर छोटे-छोटे बच्चे इसमें

गिरकर घायल हो जाते हैं तो वहीं बड़े बच्चों को पेंट उतारकर विद्यालय तक पहुंचना पड़ता है ' अभिभावकों ने बताया कि सरकार शिक्षा के ऊपर करोड़ों रुपए का खर्च कर रही है परंतु विद्यालय तक पहुंच मार्ग नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित होती है ' खिरकापुरा के ग्रामीण एवं अभिभावकों ने स्थानीय प्रशासन से विद्यालय तक सड़क निर्माण की मांग की है ' मांग करने वालों में रतीभान कुशवाहा,भरत कुशवाहा, केरी कुशवाहा, दीपचंद रामभरत,मलखान,मनोज, मुकेश, अरविंद सहित अनेक अभिभावकों के हस्ताक्षर थे 'शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित अन्य अधिकारियों को बार-बार प्रार्थना पत्र दिया गया कि इस विद्यालय तक सड़क का निर्माण कार्य कराया जाए परंतु वर्षों बाद भी छोटी सी सड़क का निर्माण नहीं कराया जा सका जिस कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है

मोहनलाल कुशवाहा सेवानिवृत्त शिक्षक- सबसे बड़ी ग्राम पंचायत में करोड़ों रुपए के काम हो रहे हैं परंतु 300 मीटर सीसी सड़क का निर्माण नहीं होने से कई बच्चे एवं अभिभावक परेशान हो रहे हैं ' स्थानीय प्रशासन को जल्द से जल्द सड़क का निर्माण करना चाहिए

भरत कुशवाहा अभिभावक - बरसात के दिनों में छोटे छोटे बच्चों को कीचड़ से निकलकर विद्यालय तक जाना पड़ता है ' कई बार बच्चों को चोट भी लग जाती है ' ज्यादा बारिश होने के कारण बच्चे विद्यालय तक भी नहीं पहुंच पाते हैं

निगरी क्षेत्र के कटई में रेत का अवैध उत्खनन चल रहा धड्डले से, मिल रहा पुलिस का संरक्षण

एनपीटी ब्यूरो

सिंगरौली। सरई थाना अंतर्गत निगरी पुलिस चौकी क्षेत्र कटई गोपद नदी से अवैध रेत का उत्खनन परिवहन जोर शोर से चल रहा है। सूत्रों की मानें तो निगरी गोपद नदी रेत खदान बंद पड़ा,जिसका फायदा रेत माफिया खूब उठा रहे है। सूत्र बता रहे हैं कि दूरभाष के मध्यम से रात भर होती देख रेख,रात दस वजे से शुरू हो जाती है अवैध रेत ट्रैक्टर की गाड़ी।

सूत्रों की मानें तो प्रति ट्रेक्टर एक रात में देते हैं तीन हजार रुपए,गोपद नदी से लगभग चार से पांच ट्रेक्टर चलते,कभी कभार सप्ताह में चार दिन ही चल पाती है। मजे की बात तो यह है कि पिछले खनिज जिला अधिकारी एके राय द्वारा गोपद नदी के किनारे ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर रोड़ को पोकलेन से बंद करा दिया गया था किन्तु रेत माफिआओं ने रोड़ बना कर धड्डले से कर रहे रेत की ढुलाई।

पुलिस अधीक्षक के द्वारा चलाए गए अवैध रेत माफिया,शराब माफिया,गांजा, चरस,कोडीन युक्त सिर्फ जैसे तमाम प्रकार की अनैतिक गतिविधियों पर रोक लगाई जाए,किन्तु निगरी चौकी क्षेत्र में अधिक महोदय के आदेश का नहीं पड़ रहा कोई असर,रेत माफियाओं पर जिला प्रशासन का चाबुक चलेगी या यूं ही धड्डले से चलते रहेंगे।

देवरा में निर्मित डॉक्टर्स आवास बनते जा रहे स्मारक जाने के लिए न तो रोड है न रोशनी के लिए बिजली

पूर्व में सड़क निर्माण का टेंडर होने के बाद भी अभी तक कार्य नहीं हो पाया शुरू, प्राइवेट लैंड का फंसा है पेंच

एनपीटी ब्यूरो

टैक्स पेयर्स की गाढ़ी कमाई का एक हिस्सा टैक्स के रूप में सरकार का खजाना भरता है। उसी से राज्यों को हिस्सा मिलता है और विकास योजनाएं धरातल पर उतरती हैं। हालांकि, कभी-कभी उस गाढ़ी कमाई से जो काम कराए जाते हैं उन पर सवाल तब उठते हैं जब उनका उपयोग नहीं होता या कार्य अमानक होते हैं। ऐसा ही एक प्रकरण देवरा में निर्मित डॉक्टरों के 12 आवास का है। शासन से मिले डेढ़ करोड़ रुपये से देवरा में 60 सीटर शासकीय हॉस्टल के पास इसका निर्माण कराया गया है। आवास दो साल से बनकर तैयार हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डॉक्टरों व कर्मचारियों को उसका आवंटन भी कर दिया है, मगर उसमें रहवास नहीं हो पाया है, क्योंकि वहां तक जाने के लिए न तो रोड है व रोशनी के लिए बिजली। सड़क बनाने के लिए शासकीय जमीन नहीं है। प्राइवेट लैंड के लिए प्रयास हुए थे व किसानों ने देने पर सहमति भी जताई थी। इसके बाद गत मार्च में डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण और एचपी कल्वर्ट का टेंडर भी हो गया था।

ठेकेदार को साइड नहीं दिला पाया नगर निगम-मेसर्स हर्ष इंटरप्राइजेज देवरा को 49.89 फीसदी बिलो में टेंडर मिला था। कुल इस्टीमेटेड कास्ट 13 लाख 78 हजार 746 रुपये थी और हर्ष इंटरप्राइजेज को 8 लाख 15 हजार 250 रुपये में सड़क व एचपी कल्वर्ट का निर्माण कार्य दो माह में कराना था। कार्य पूर्णता की अवधि 14 अप्रैल निर्धारित की गई थी, मगर अभी कार्य की शुरूआत ही नहीं हुई है। ठेकेदार ने बीते 26 जून को नगर निगम के कार्यपालन यंत्री को आवेदन दिया था कि उसे डब्ल्यूबीएम साइड दिलाने की कृपा करें, जिससे समय सीमा में कार्य कराया जा सके।

ड्राइंग में नदी किनारे दिखाया गया था रास्ता- डॉक्टर्स आवास का निर्माण पुलिस हाउसिंग बोर्ड ने कराया था। ड्राइंग में आवास तक जाने के लिए नदी किनारे से रास्ता दशार्या गया था। तत्कालीन कलेक्टर ने भी नदी किनारे रिटेनिंग वॉल बनाकर 60 सीटर हॉस्टल के बगल से रोड बनाने की बात कही थी, लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ। इसके अलावा लगभग 500 मीटर नया मार्ग बनाकर हॉस्टल तक निर्मित सड़क से भी आवास को जोड़ा जा सकता था। हालांकि, रोड के लिए किसानों से संपर्क कर रास्ता निकाला गया।

एक पोल लगे तो हो जाए बिजली की सुविधा- जिन कर्मचारियों को आवास आवंटित हुआ है उनमें ज्यादातर किराए के मकान में रह रहे हैं। उनका कहना है कि आवास तक बिजली की सुविधा भी नहीं है। यदि एक पोल लगा दिया जाए तो आवास तक बिजली का तार पहुंच जाएगा, मगर इसकी भी अनदेखी हो रही है। यही कारण है कि लोग वहां नहीं जा रहे। देखरेख न होने से चटक रहे ताले, हो रही चोरी आवास का निर्माण कराने वाले संविदाकार के साथ ही कर्मचारियों का कहना है कि आवास की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।

इस कारण आवासों के ताले भी चटकाये जाने लगे हैं तो खिड़की-एंगल व अन्य सामग्रियां चोरी भी होने लगी है। यदि सड़क, बिजली, पानी की सुविधा हो जाए तो डॉक्टर व कर्मी रहने लगेंगे। इससे चोरियां रुकेंगी और दो साल से ऐसे पड़े आवासों की देखरेख हो सकेगी।

इनका कहना है- पहले तहसीलदार से वार्ता के दौरान किसान अपनी जमीन देने पर सहमत हो गए थे, मगर अब मना कर रहे हैं। इंजीनियर और ठेकेदार को भी दो बार बात करने भेजा गया था, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। प्लान नदी या नाले के किनारे से सड़क बनाकर हॉस्टल की रोड से जोडने का है।

डीके शर्मा, आयुक्त नगर निगम सिंगरौली

दीवार लेखन के माध्यम से दिया जा रहा है जल संरक्षण का संदेश

नेशनल प्रेस टाइम्स बैतूल

बैतूल आठनेर।जल प्रहरी,प्रसिद्ध पर्यावरण विद्,गंगावतरण अभियान के संयोजक,मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) मोहन नागर के कुशल एवं प्रभावी मार्गदर्शन, नर्मदापुरम संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी एवं जिला समन्वयक प्रिया चौधरी के सतत निर्देशन में विकासखंड आठनेर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड आठनेर की विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने बताया कि विकासखंड आठनेर की नवांकुर संस्थाएं जल संरक्षण को लेकर गांव-गांव में अलख जगा रही है।संस्थाओं द्वारा ग्राम ग्राम में दीवार लेखन कर जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी द्वारा आज ग्राम में प्रभावी दीवार लेखन किया गया।संस्था के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े ने कहा कि जल संकट एक गंभीर मुद्दा है।यदि अभी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में पानी की समस्या विकराल रूप ले लेगी।जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य है कि हर गांव जल संरक्षण की दिशा में आत्मनिर्भर बने।इसी को लेकर सेक्टर में जल संरक्षण को लेकर जल संगोष्टियां,जल स्त्रोतों की साफ सफाई,नदी तालाब की स्वच्छता इत्यादि कार्य ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्राओं के सहयोग से किया जा रहे हैं।दीवार लेखन कार्यक्रम में मुख्य रूप से परामर्शदाता आशुतोष सिंह चौहान प्रस्फुटन समिति से रमेश राने,प्रयाग झरबड़े,पूनम दवांडे,लख्खू सराटकार,प्रवीण झरबड़े,बाबा लिखितकर,भगवत लिखितकर,रमेश दवांडे,सी एम सी एल डी पी छात्रा हेमलता दवांडे,अश्विनी माकोड़े सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

78 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त

गुनाःजनसामान्य को घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता एवं दुरूपयोग रोकने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के आदेशानुसार एवं जिला आपूर्ति अधिकारी के निर्देशन में बमौरी एवं चांचौडा क्षेत्र में खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा बमौरी में 74 एवं चाचौडा में 04 इस प्रकार कुल 78 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किए गए। इस प्रकार सौम्या एचपीसी गैस एजेंसी, माना (पाडोन) एवं होटल दीपक चौहान एबी रोड कालापहाड चाचौडा एवं यादव पूर्वांचल ढाबा एबी रोड कालापहाड चाचौडा के द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों के बिल, बीजक असुरक्षित संग्रहण एवं व्यवसायिक उपयोग के कारण द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय एवं विनियमन आदेश 2005 के तहत प्रकरण दर्ज किया जाकर दर्ज किए गये जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है।

MP बोर्ड कक्षा 10,12वीं रिजल्ट तारीख की सूचना जल्द,10 मई से पहले जारी रिजल्ट

फेल अभ्यर्थियों को पास होने का दूसरा मौका

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो

भोपाल। मई का प्रथम सप्ताह निकलने वाला है लेकिन अभी तक एमपी बोर्ड ने कक्षा 10वीं 12वीं रिजल्ट की तारीखो का ऐलान नहीं किया है दोनों कक्षोंओ के लगभग 16 लाख अभ्यर्थी और अभिभावक रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं कुछ दिनो से सोशल मीडिया पर एक प्रेस विज्ञप्ति वायरल हो रही थी जिसमे दावा किया जा रहा था कि एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं 12वीं का रिजल्ट 5 मई को जारी किया जायेगा हालांकि माशिमं की ओर से 10वीं-12वीं के परिणाम को लेकर अभी तक कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह प्रेस विज्ञप्ति फर्जी है आपको बता दें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में 10 मई से पहले रिजल्ट जारी करने के निर्देश दिए थे। अब संभावना है कि 10 मई से पहले रिजल्ट कभी भी जारी हो सकता है एक या दो दिन में बोर्ड रिजल्ट की तारीखों का ऐलान कर सकता है फेल अभ्यर्थियों को पास होने का दूसरा मौका : मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष जून माह में प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुत्तीर्ण छात्रों के लिये 'रूक जाना नहीं' योजना में कक्षा 10वीं और 12वीं के साथ 'आ लौट चलें' कक्षा 10वीं, 12वीं, ओपन स्कूल परम्परागत परीक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं, आईटीआई समकक्ष कक्षा 12वीं, सीबीएसई ऑन डिमांड कक्षा 12वीं की परीक्षा 2 जून 2025 से 2 पारियों में की जा रही हैं। प्रथम पारी में समस्त 12वीं कक्षा की परीक्षा तथा द्वितीय पारी में समस्त 10वीं, 8वीं और 5वीं की परीक्षा आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा की समय-सारणी मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के पोर्टल पर उपलब्ध है।

प्रियंका गाँधी की गोद में नजर आ रही राजस्थान की आदिवासी बेटी उर्वशी का विवाह

बूंदी के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने खैरवाड़ा पहुंचकर किया कन्यादान

एनपीटी ब्यूरो

बूंदी 5 मई।तीन वर्ष पहले रूस में मृत राजस्थान के निवासी भारतीय नागरिक हितेंद्र गरासिया की बेटी उर्वशी का विवाह गत दिनों रविवार को खैरवाड़ा के गोड़वा गाँव मे गुजरात विजयनगर के डॉ जितेंद्र खराड़ी से सम्पन्न हुआ। उर्वशी का विवाह सामाजिक सरोकार व सहयोग का प्रतीक बन गया।जिसमे विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिये कार्य करने वाले बूंदी के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने सपरिवार गोड़वा गाँव पहुंचकर उर्वशी का विधिवत संकल्प के साथ कन्यादान किया।

जब प्रियंका गाँधी ने गोद बैठाकर पोंछे थे उर्वशी के आँसू

उल्लेखनीय है कि रोजगार के लिये रूस गये राजस्थान के उदयपुर जिले के गोड़वा गाँव के रहने वाले भारतीय नागरिक हितेंद्र गरासिया की जुलाई 2021 को रूस में म्रत्यु हो गयी थी और उनकी दिवंगत देह कोमॉस्को के कब्रिस्तान में दफना दिया गया था।पीड़ित परिवार की आवाज को उठाते हुये बूंदी के चर्मेश शर्मा ने स्व.हितेंद्र गरासिया की दिवंगत देह को भारत लाने के लिये आखिर तक लम्बा संघर्ष किया था। स्व. हितेंद्र गरासिया की बेटी उर्वशी गरासिया उस समय एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर के साथ कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गाँधी से मिली थी और प्रियंका गांधी ने उर्वशी को गोद मे बैठाकर उसके आँसू पोछे थे।दिवंगत देह को भारत लाने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मार्मिक पत्र लिखा था।जिसके बाद कार्यवाही में तेजी आयी थी। लम्बे संघर्ष के बाद मृत्यु के 7 माह बाद मॉस्को का कब्रिस्तान खोदकर हितेंद्र गरासिया की दिवंगत देह को भारत लाया गया था।जब स्व.हितेंद्र गरासिया के पुत्र पीयूष गरासिया के साथ बूंदी के चर्मेश शर्मा ने अंतिम संस्कार किया था।

दुल्हन को मण्डप तक पहुंचाने की रस्म निभायी- मेवाड़ वागड़ के गरासिया समाज में विवाह के अवसर पर दुल्हन को उसके मामा के द्वारा मंडप तक जाकर दूल्हे के पास ले जाने की परंपरा है। उर्वशी के मामा के रूप में शर्मा ने इस परंपरा को निभाया।उवर्शी के कन्यादान का संकल्प भाई पीयूष गरासिया व बूंदी के चर्मेश शर्मा ने धर्मपत्नी पल्लवी शर्मा के साथ लिया।

सामाजिक सरोकार का प्रतीक बना विवाह- सभी को पता था कि उर्वशी के पिता नहीं हैऔर परिवार की आर्थिक स्थिति भी दयनीय है।ऐसे में गरीब परिवार की बेटी की शादी की सारी व्यवस्थाओं को रिश्तेदार व गरासिया समाज के लोगो ने आपस मे बांट लिया और एक बेटी को पिता की कमी महसूस नही होने दी।कुवैत में काम करने वाले उमेश गरासिया ने अपने पिता मोहनलाल गरासिया की प्रेरणा से भोजन की सारी व्यवस्था की जिम्मेदारी ले ली तो चर्मेश शर्मा व उनके मित्रगणों ने विवाह के टेंट,मण्डप की जिम्मेदारी के साथ कन्यादान में रेफ्रिजरेटर, एलईडी टीवी,सोने व चांदी के आभूषण भेंट किये।नटवर गरासिया ने डीजे की जिम्मेदारी ली तो स्व.हितेंद्र गरासिया के भारतीय फौज में तैनात दोनो दामाद खड़े रहकर सारी व्यवस्था सम्हालते रहे।

ऐसे परिवारों की मदद को आगे आये- विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक बूंदी के चर्मेश शर्मा ने कहा कि यह बहुत दुःखद स्थिति है कि रोजगार की आस में एजेंटो के जाल में फंसकर गरीब परिवार के लोग विदेश चले जाते हैं और वहां पर उनको ऐसे काम में लगा दिया जाता है की उनकी मृत्यु हो जाती है। ऐसे में उनके पीड़ित परिवारों के पास जीवन भर आँसू बहाने के अलावा कोई चारा नही रहता है।परिवार की जीविकोपार्जन के साथ बेटे बेटियों की शिक्षा व बड़े होने पर बच्चों का विवाह भी बहुत बड़ी चुनौती होता है।शर्मा ने कहा कि हम सभी को दुख के समय पर ऐसे परिवारों की मदद करनी चाहिये। शर्मा ने कहा कि यह उनका संकल्प है कि वह जीवनभर उनसे जो भी हो पायेगा ऐसे पीड़ित परिवारों की मदद करते रहेंगे।

झुंझुनूं के परिवहन अधिकारी के पक्ष में उतरा खैरथल जांगिड़ समाज जिला कलेक्टर को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

एनपीटी ब्यूरो

खैरथलः झुंझुंनू जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) मक्खन लाल जांगिड़ को पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा द्वारा कथित तौर पर धमकाने, गाली देने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के विरोध में जिला जांगिड़ समाज खैरथल ने एकजुट होकर रोष प्रगट किया. अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष नरेश चंद शर्मा के नेतृत्व में समाज के लोगों ने बैठक की ओर जिला कलेक्टर खैरथल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा । समाज के लोगो ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पूर्व मंत्री गुढ़ा के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। डीटीओ जांगिड़ को सुरक्षा प्रदान करने और मामले की निष्पक्ष जांच की अपील की।समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि डीटीओ मक्खन लाल जांगिड़ मुख्यालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जिले में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ नियमित कार्रवाई कर रहे थे, जिससे सरकार को राजस्व प्राप्त हो रहा था। लेकिन इस कार्रवाई से नाराज कुछ वाहन मालिक और स्थानीय राजनेताओं ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। आरोप है कि इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने किया, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से डीटीओ मक्खन लाल जांगिड़ को अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गालियां दीं, जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया और गंभीर धमकियां दीं।

पूर्व मंत्री गुढ़ा के इस व्यवहार को न केवल एक ईमानदार सरकारी अधिकारी का अपमान बताया, बल्कि इसे पूरे समाज के लिए अपमानजनक करार दिया। इस अवसर पर नरेश चंद शर्मा, पूर्व चैयरमेन सुभाष जांगिड़, युवा नेता जीतेंदर जागिड़, कैलाश चंद,पूर्व पार्षद गुरू दत्त जांगिड़, सतीश शर्मा, गिर्राज तिजारा, राजेंद्र, गणपत सहित अन्य लोग मौजूद रहे.

सांवलोदा पुरोहितान में स्व. सुरेंद्र खोखर की प्रथम पुण्यतिथि रक्तदान शिविर आयोजित, 421 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो

सीकर । स्वर्गीय सुरेंद्र खोखर की प्रथम पुण्यतिथि पर टीम सुरेंद्र खोखर एवं समस्त ग्राम वासियों द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांवलोदा पुरोहितान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर सांवलोदा पुरोहितान एवं आसपास के गांव के युवाओं और महिलाओं ने तेज गर्मी के मौसम में भी बड़े जोश और उत्साह के साथ रक्तदान किया । सीकर के अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि इस मौके पर मौजूद रहे तथा उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया ।ग्रामवासियों ने संकल्प लिया कि गर्मी के मौसम में स्वैच्छिक रक्तदान कर रक्त की कमी नहीं आने दी जाएगी।स्वर्गीय सुरेंद्र खोखर मिलनसार एवं सामाजिक कार्यकर्ता थे तथा सभी ग्रामवासियों के सुख दुख के मौके पर सदैव साथ रहते थे इसी कारण सभी ग्रामवासी उनकी याद में लगाए गए शिविर में उपस्थित रहे।

सवाई मानसिक चिकित्सालय जयपुर, श्री कल्याण चिकित्सालय सीकर एवं शेखावाटी चैरिटेबल ब्लड सेंटर सीकर की टीमों द्वारा कुल 421 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। टीम सुरेंद्र खोखर द्वारा सभी अतिथियों का माला एवं साफा पहनकर स्वागत किया गया तथा सभी रक्तदाताओं का प्रशस्ति पत्र प्रदान कर आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल 6 मई को भिवाड़ी में लेंगे जिले की विभागीय समीक्षा बैठक

एनपीटी ब्यूरो

खैरथल -तिजारा, 5 मई' माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में 6 मई 2025 को रिको गेस्ट हाउस भिवाड़ी में जिले की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने माननीय राज्यपाल के दौरे की तैयारियों का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

महात्मा गांधी विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी! शहर के बालचंद पाड़ा स्थित महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में सत्र 2025- 26 हेतु प्रवेश प्रक्रिया आरंभ हो गई है`

प्रधानाचार्या श्रीमती अनुपमा तिवारी ने बताया कि निदेशालय माध्यमिक शिक्षा बीकानेर से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में कक्षा नर्सरी में 25, एलकेजी में 02, यूकेजी में 01, कक्षा 1 में 10, कक्षा 5 में 02, कक्षा 6 में 03, कक्षा 9 में 23, कक्षा 10 में 04, कक्षा 11 कला- संकाय में 58, विज्ञान- संकाय में 34 तथा कक्षा 12 कला- संकाय में 41 एवं विज्ञान- संकाय में 39 रिक्त सीटों पर 6 मई से 15 जून तक शाला दर्पण के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेंगे` श्रीमती तिवारी ने बताया कि निदेशालय से प्राप्त समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों की सूची विद्यालय के नोटिस- बोर्ड पर 18 जून को चस्पा की जावेगी, साथ ही प्रवेश- कार्य 19 जून से तथा शिक्षण कार्य 1 जुलाई से आरंभ कर दिया जावेगा`

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया राजगढ़ चिकित्सालय का निरीक्षण

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो

अलवर। राजगढ़ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा राजगढ़ पहुंचे। जहां उन्होंने दोनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस समय वायरल का प्रकोप चल रहा है । उसको देखते हुए दवाईयों की व्यवस्था उचित हो । जो सुविधाएं मरीज को दी जानी चाहिए वो दी जा रही है। राजगढ़ चिकित्सालय में सोनोग्राफी की मशीन की व्यवस्था करवाई गई है। सोनोग्राफी मशीन शुरू की गई थी। शुरू के दो-तीन महीने सुचारू रुप से चली थी। लेकिन अभी देखने मे आया है कि सोनोग्राफी मशीन पूरी तरह से नही चल पा रही है। पूरे महीने में करीब 10 से 12 सोनोग्राफी हो पाई है। सोनोग्राफी को लेकर चिकित्सा प्रभारी अधिकारी व बीसीएमएचओ से चर्चा की गई। जो चिकित्सक है पीपीडीएन्सी के तहत सोनोग्राफी करने की अनुमति दी गई है। जिनका तीन-तीन घण्टे का रोस्टर बनाया गया है। जिससे चिकित्सालय के समय पर सोनोग्राफी की सुविधा मिल सके। जनाना चिकित्सालय में अधिकांश गर्भवती महिलाएं आती है। गर्भवती महिलाएं आती है, जिन्हें सोनोग्राफी का अनावश्यक भार झेलना पड़ता है। माँ वाउचर योजना के तहत जो भी गर्भवती महिलाएं है उनको एक सोनोग्राफी 12 सप्ताह के बाद निजी सेंटर पर फ्री करवा सकती है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में चल रही लैबोरेटरी को रजिस्ट्रेशन करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस क्रम में अलवर जिला सीएमएचओ कार्यालय में भी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की है।

इस अवसर पर बीसीएमओ डॉ. विशाल सिद्ध, चिकित्सा प्रभारी डॉ. रमेश मीना सहित चिकित्साकर्मी मौजूद रहे।

गौरव पथ पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, दुकानदारों में मचा हड़कंप

एनपीटी ब्यूरो

अलवर शहर के गौरव पथ पर जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर निगम और नगर विकास न्यास के संयुक्त तत्वावधान में अतिक्रमण हटाने की व्यापक कार्रवाई की गई। यह अभियान शहर के प्रमुख मार्ग अशोक सर्किल से भगत सिंह सर्किल तक चलाया गया, जिसमें सड़क के दोनों ओर लगे अस्थाई अतिक्रमण हटाए गए।

इस कार्रवाई का नेतृत्व नगर विकास न्यास के तहसीलदार अनिल शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा दो दिन पूर्व निर्देश दिए गए थे कि पहले दुकानदारों को समझाइश दी जाए, जिससे वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लें। लेकिन चेतावनी के बावजूद कई जगहों पर अतिक्रमण जारी रहा, जिसके चलते सोमवार को सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान कुछ लोगों का सामान भी जब्त किया गया है।

तहसीलदार शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिन के भीतर फिर से अतिक्रमण पाया गया तो न सिर्फ माल जब्त किया जाएगा, बल्कि बड़ी कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। कार्रवाई की सूचना मिलते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया और उन्होंने जल्दबाजी में अपना सामान समेटना शुरू कर दिया।

पूरे अभियान के दौरान पुलिस जाप्ता, नगर निगम और नगर विकास न्यास के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर तैनात रहे, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो सकी। प्रशासन की इस मुहिम का उद्देश्य शहर को व्यवस्थित और यातायात को सुगम बनाना है।

खैरथल में पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर दाने पानी की व्यवस्था की

एनपीटी ब्यूरो

खैरथल : अन्नपूर्णा रसोई भुडावाली पर ठाकुर दास शिक्षा समिति के द्वारा हर वर्ष की भांति परिण्डा बाधो कार्यक्रम के तहत रसोई क्षेत्र के पेंडों व अन्य स्थानों पर परिंडे लगाए व दाने पानी की व्यवस्था की गई। संगठन की संचालिका रामभूतेरी ने बताया कि गर्मियों में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, पक्षियों के लिए दाना-पानी ढूंढ पाना भी उतना ही मुश्किल होता है। ऐसे में कई बेजुबान पक्षी दाना-पानी नहीं मिलने की वजह से अपनी जिंदगी भी नहीं बचा पाते। साथ ही शहरीकरण बढ़ने से पक्षियों की जीवनचर्या और मुश्किल हो गई है। उनके लिए बेहतर जरुरी खाद्य सामग्री एवं पानी को ढूंढ पाने में कठिनाई से जीवन संकट में पड़ जाता है।

कई बेजुबान पक्षी इस भीषण गर्मी में प्यास से छटपटाते हुए दम तोड़ देते हैं। इसके लिए उन पक्षियों के लिए पानी उपलब्ध कराया गया ताकि वे पानी की तलाश में दम ना तोड़ दें। समाज सेविका रामभूतेरी सैनी ने विभिन्न संगठनों ,आम नागरिकों तथासमाजसेवियों से आह्वान किया कि इसकी शुरूआत आप स्वयं भी कर सकते हैं, बस एक परिंडा लगा कर। इसके लिए आप अपनी कॉलोनी,घर ,ऑफिस व अन्य सार्वजिनक स्थानों पर परिंडे बांधकर पुनीत कार्य करें । इस अवसर पर समिति के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे

कलश यात्रा | गोपी की ढाणी से झोंपड़िया आश्रम कोटड़ी तक महिलाओं ने निकाली ऐतिहासिक कलश यात्रा

ग्रामीणों ने किया कलश यात्रा का जगह-जगह स्वागत, जेसीबी मशीनों से हुई पुष्प वर्षा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं उदयपुरवाटी। कस्बे के निकटवर्ती प्रसिद्ध धार्मिक स्थल झोपड़ियां आश्रम में महंत लक्ष्मण दास महाराज के सानिध्य में गोपुष्ठी श्रीमद् भागवत कथा के साथ आठ दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इससे पूर्व महिलाओं द्वारा गोपी की ढाणी में अवस्थित शिव मंदिर से डीजे की धुन पर ऐतिहासिक कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के साथ-साथ संत महात्माओं की रथ यात्रा भी निकाली गई। हजारों की संख्या में महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। कलश यात्रा का जगह-जगह जेसीबी मशीनों से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। रास्ते में जगह-जगह सेवाभावी लोगों द्वारा कलश यात्रियों के लिए पीने के ठंडे पानी और शरबत की व्यवस्था की गई। कलश यात्रा में चार डीजे, चार जेसीबी मशीने, ऊंट, घोड़ी, रथ पर सवार संत महात्माओं के इस भव्य नजारे को देखकर हर कोई हतप्रभ रह गया। नेकीराम छावसरी के ऊंट घोड़ी और नृत्य कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। तत्पश्चात महाआरती के साथ गोपुष्ठी श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कथा के मुख्य यजमान मोहन लाल यादव दंपति द्वारा पूजा अर्चना के साथ कथावाचक विपुल कृष्ण शास्त्री द्वारा किया गया। जिसमे भागवत महात्मय का प्रसंग सुनाया। श्रीमद्भागवत पुराण के छः अध्यायों के प्रारंभ में भगवान की महिमा का वर्णन तथा भक्त नारद संवाद आदि का वर्णन किया गया। बीच-बीच में भजनों की ताल पर श्रोता झूम उठे। कथा में कृष्ण भगवान की संजीवित झांकी सजाई गई। कथा प्रतिदिन प्रातः 11 से शाम 4 बजे तक सुनाई जाएगी। सरपंच रामकरण यादव दंपति, धूड़ाराम यादव दंपति, ताराचंद यादव दंपति, जगदीश प्रसाद यादव दंपति, हजारीलाल यादव दंपति, सीताराम यादव दंपति मुख्य कलश के यजमान रहे। भागवत कथा के मुख्य यजमान मोहनलाल यादव दंपति रहे। आश्रम में 8 मई को ब्रह्मलीन संत जय रामदास महाराज, भक्त दुगार्दास, भक्त तुलसी बाई और राधा कृष्ण भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

12 मई को हवन और विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस दौरान महंत महामंडलेश्वर बजरंगदास मीठाराम दास आश्रम डोकण, बरखंडी आश्रम किरोड़ी के महंत लक्ष्मण दास महाराज, देवी माता मंदिर कोटड़ी के महंत रामबालक दास त्यागी, कैलाशपुरी धाम के महंत अमर दास, बूरला धाम के महंत अवधेश दास, मोहनदास महाराज, देवादास, महेंद्र कुमार यादव, श्रीराम यादव, रामकरण यादव, जगदीश यादव, सोहन लाल यादव, सुवालाल यादव, फूलचंद सैनी, मुकेश दाधीच, कालूराम स्वामी, मंजीत स्वामी, राजेश स्वामी, सहित काफी संख्या में महिलाओं और पुरुष मौजूद रहे।

हरियाणा पुलिस के जवानों पर कांधला के युवक की हत्या का आरोप

आक्रोशित परिजनों ने यूपी-हरियाणा सीमा पर लगाया जाम, जमकर किया हंगामा, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

ड्यूटी पर तैनात तीन नामजद व दो अज्ञात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध दी गई घटना की तहरीर

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कैराना। हरियाणा पुलिस के जवानों पर युवती से छेड़छाड़ के आरोपी युवक की हत्या करके शव को यमुना नदी में फेंकने का आरोप लगा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हंगामा करते हुए यूपी-हरियाणा सीमा पर जाम लगा दिया। बाद में आरोपी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने के आश्वासन पर परिजन शांत हुए। मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सोमवार को यमुना नदी में एक युवक का शव पड़ा हुआ मिला, जिसकी पहचान कांधला कस्बे के मोहल्ला शेखजादगान निवासी विजय(23) पुत्र अजब सिंह के रूप में हुई। मामले की सूचना पर मृतक युवक के परिजन यूपी-हरियाणा बॉर्डर पर स्थित यमुना नदी पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने हरियाणा पुलिस के जवानों पर युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद, परिजन हरियाणा की ओर यमुना ब्रिज पर स्थित सनौली थाने के नाके के सामने सड़क पर बैठ गए और नेशनल हाइवे-709एडी को जाम कर दिया। परिजनों द्वारा जाम लगाए जाने से पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर समालखा सीओ नरेंद्र सिंह, कैराना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह व कांधला थानाध्यक्ष क्षितिज कुमार पुलिस बल के साथ में मौके पर पहुंचे तथा जाम लगा रहे मृतक युवक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया। परिजन आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किये जाने की मांग कर रहे थे। बाद में मामले की जांच कराकर आरोपी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने के आश्वासन पर परिजन शांत हुए। मृतक युवक के शव को कैराना पुलिस ने पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मृतक के भाई अजय ने सनौली पुलिस को तीन नामजद व दो अज्ञात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध हत्या का आरोप लगाते हुए घटना की तहरीर दी है। उधर, सीओ समालखा नरेंद्र सिंह का कहना है कि यमुना नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। युवती से छेड़छाड़ के आरोप में उसे पकड़ा गया था। परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर युवक के साथ मारपीट किये जाने का आरोप लगाया है। मामले की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर आरोपी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

छोटे भाई के साथ कुरुक्षेत्र से आ रहा था युवक विजय

बताया गया है कि मृतक युवक विजय व उसका भाई अजय ठेके पर हलवाई का कार्य करते थे। रविवार शाम दोनों भाई ट्रेन के रास्ते कुरुक्षेत्र से पानीपत पहुंचे थे। उसके बाद दोनों भाई ऑटो में सवार होकर कैराना के लिए चल दिये। बताया गया है कि इसी दौरान एक युवती भी ऑटो में सवार हो गई। रास्ते में युवती ने ऑटो में सवार युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। ऑटो के यमुना ब्रिज से पहले स्थित टोल प्लाजा पर पहुंचने पर युवती ने छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। मामले की सूचना पर हरियाणा पुलिस का एक जवान मौके पर पहुंचा। आरोप है कि उक्त पुलिसकर्मी ने दोनों भाइयों के साथ में टोल प्लाजा पर मारपीट की। युवकों से मारपीट की घटना वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। इसके बाद, यमुना ब्रिज पर स्थित सनौली थाने के पुलिस नाके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने दोनों भाइयों को ऑटो से उतार लिया तथा अलग-अलग ले जाकर पिटाई की।

ससुराल में युवक के साथ मारपीट,कार्रवाई की मांग

कांधला। नगर के मोहल्ला मौलानान में अपनी पत्नी लेने के लिए आए एक युवक के साथ ससुराल के लोगों ने मारपीट करते हुए भगा दिया पीड़ित ने थाने पहुंच कर तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है पुलिस जांच में जुटी है। दिल्ली के खजूरी खास निवासी मुजम्मिल ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी नगर के मोहल्ला मौलानान निवासी एक युवती के साथ हुई है। उसकी पत्नी कई दिन पूर्व अपने मायके में मिलने के लिए आई थी और वह अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल में पहुंचा था। आरोप है कि जब अपनी पत्नी को लेकर चलने लगा तो तभी उसकी सास, ससुर सहित अन्य लोगों ने रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर शराबा होने पर पड़ोस के दर्जनों लोग भी मौके पर जमा हो गए। आरोप है कि उसकी ससुराल वालों ने उसकी पत्नी को ससुराल में रोक लिया और भेजने से मना कर दिया। पीड़ित व्यक्ति ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

होटल पर गरम-गरम तेल फेंक कर जलने के मामले में दो गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। नगर के मयूर तिराहे पर खाना खाने गए दो युवको पर सलाद मांगने पर होटल संचालक के दो पुत्रों सहित कर्मचारियों ने गरम-गरम तेल डालकर दोनों को जला दिया था। घायल दोनों युवकों के परिजनों ने प्राथमिक उपचार के बाद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी पुलिस ने दो नामजद व कई अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला गुजरान निवासी मुनव्वर पुत्र शमशीर ने बताया कि वह अपने साथी आरिफ के साथ कस्बे के मयूर तिराहे स्थित मुस्लिम होटल धूम दरबार पर शाम के समय खाना खाने के लिए गया था। आरोप है कि खाना खाने के दौरान पीड़ित ने जब होटल पर कार्य कर रहे कर्मचारियों से सलाद मांगी तो उन्होंने अनसुना कर दिया था। दोबारा से सलाद मांगने पर होटल संचालक इरफान के पुत्र साहिल व शाहरुख सहित कर्मचारियों ने मारपीट करते हुए दोनों के ऊपर गरम-गरम तेल डालकर उन्हें जला दिया था। घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया था और घटना की जानकारी परिजनों को दी थी। गरम-गरम तेल ऊपर डालने से झुलसे हुए दोनों युवकों के परिजनों ने प्राथमिक उपचार के बाद आरोपियों के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने घायल युवक के भाई मुबारिक की तहरीर पर होटल संचालक के पुत्र साहिल व शाहरुख सहित कई अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी शाहरुख सहित होटल पर कार्य कर रहे आबिद पुत्र सकुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

विवाहिता ने देवर पर छेड़छाड़ का कराया मुकदमा

कैराना। नगर निवासी एक विवाहिता ने अपने देवर के विरुद्ध छेड़छाड़ कर अश्लील हरकतें करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शनिवार की दोपहर विवाहिता अपने कमरे में अकेली थी तभी वहां उसका देवर घुसता और आते ही उसके साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने लगा। जब उसने छेड़छाड़ का विरोध किया तो उक्त देवर ने उसके साथ मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। तभी मौके पर पीड़ित का पति भी आ गया तो उक्त देवर ने उसके साथ भी मारपीट करते हुए धारदार हथियारों से हमला कर घायल कर दिया। शोर शराबी की आवाज सुनकर मां काफी लोग आ गए और उन्होंने उक्त देवर से दोनों पति-पत्नी की जान बचाई। देवरा जाते-जाते दोनों को जान से मारने और झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी देते हुए फरार हो गया।

संक्षेप समाचार :

केवल प्रार्थना से प्रसन्न हो जाते हैं भगवान : स्वामी रामदेव

थानाभवन। अवधूत शिरोमणि बाबा हीरादास महाराज की 110वीं व स्वामी हरिदेव जी जी महाराज की 19वीं पुण्य स्मृति के उपलक्ष में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। जानकारी के अनुसार कस्बा स्थित पंचतीर्थी आश्रम में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि भगवान भाव के भूखे हैं, जिस प्रकार से शबरी के यहां पर बेर खाए, उसी तरह विधु रानी के यहां पर केले के छिलके खाए। उन्होंने बताया कि जहां पर प्रेम होता है, वहां पर भगवान आते हैं, जो मनुष्य भक्ति नहीं जानता हो पूजा पाठ भी नहीं जानता हो। केवल प्रार्थना से ही भगवान प्रसन्न हो जाते हैं, जैसे भाव होते हैं भगवान उसे अपना बना लेते हैं इसलिए संतो का प्रवचन हमें जीवन में आनंदित बनाता है। महाराज ने कहा कि जिस प्रकार माता अपने बालक का ध्यान रखती है उसी प्रकार भगवान भी अपने भक्तों का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं भगवान भी अपने नाम की महिमा का बखान नहीं कर सकते हैं। भगवान के नाम शक्ति का सहारा लेकर के जीव भव सागर पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब हृदय से काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, निकल जाते हैं तब मेरे राम हृदय रूपी भवन में आनंद रूपी राम बनकर के प्रकट होते हैं, और जीव का कल्याण करते हैं। इस दौरान महामंडलेश्वर स्वामी अरुण दास जी, स्वामी रामनरेश स्वामी रामबिहारी, स्वामी हसदेव, स्वामी श्यामदास, स्वामी विवेकानंद, पंडित भारतभूषण शर्मा, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पूर्व चेयरमैन संजय शर्मा, थानाभवन थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह रावत, स्वामी अमरदेव ट्रस्ट के महामंत्री पवन आहूजा, शंकर दास, किनरा करतार, गिरधर इंद्रजीत पुण्यानी मौजूद रहे।

शामली में पर्यटन के विकास के लिए मंत्री से मिले सुरेश राणा

शामली। वरिष्ठ भाजपा नेता के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने लखनऊ में उत्तर-प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह से भेंट कर शामली जनपद में पर्यटन की योजनाओं को लेकर चर्चा की। पूर्व मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि शामली जनपद में पर्यटन की बहुत संभावनाएं हैं। जनपद में अनेकों ऐतिहासिक मंदिर है, जिनका जीर्णोद्धार व विकास होना आवश्यक है और कई मंदिर तो ऐसे हैं जहां हजारों-लाखों लोगों की आस्थाएं जुड़ी है। जनपद में पर्यटन की योजनाओं से पहले भी विकास हुआ है। पर्यटन वर्तमान व भविष्य में जनपद के रोजगार के अवसर भी बढ़ा सकता है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने जल्द ही सभी प्रस्ताव को पास किए जाने का आश्वासन दिया।

महिला व पुरुष की मौत के मामले में कार चालक के विरुद्ध मुकदमा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। थाना क्षेत्र के एलम बाईपास के समीप दिल्ली सहारनपुर नेशनल हाईवे पर कार की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध महिला व दामाद की मौत के मामले में पुलिस ने पीड़ित परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। शव पोस्टमार्टम से आने के बाद गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया है।

गत दिवस रविवार को थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी वृद्ध महिला बबीता पत्नी रमेश अपने दामाद जनपद मुजफ्फरनगर के गांव जसोई निवासी दीपक के साथ शादी का सामान खरीदने के लिए कस्बा एलम से कांधला कस्बे में आ रही थी। परिजनों के अनुसार जैसे ही बाइक सवार एलम दिल्ली नेशनल हाईवे बाईपास मार्ग के निकट पहुंचे तो बागपत की और जा रही तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें व्रद्ध महिला बबीता की कार की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के दौरान कार चालक व कार सवार एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात चिकित्सकों ने बाइक सवार दीपक को उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया था। कार सवार घायल महिला ज्योती व चालक शुभम को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर परिजनों को घटना की जानकारी दी गई दी थी। पुलिस ने व्रद्ध महिला व मृतक दामाद के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। सोमवार को शव पोस्टमार्टम से आने के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया है। पुलिस ने मृतक महिला के पति रमेश की तहरीर पर कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

माँ-बेटे के साथ मारपीट करने का आरोप,मुकदमा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कैराना। क्षेत्र के गाँव रामड़ा निवासी जनाब पुत्र शराफत ने रिपोर्ट दर्ज कराई हैं कि रविवार की सुबह 8 बजे उसकी माँ व भाई गांव में अपनी कृषि भूमि पर कार्य कर रहे थे। तभी वहां अपने हाथों में लाठी डंडे लिए इमलाक व सोहिल पुत्रगण इकबाल आये और आते ही दोनों के साथ लाठी डंडे से मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर वहां आसपास के लोग आ गए और उक्त दोनों भाइयों से माँ-बेटे की जान बचाई। उक्त दोनों भाई माँ-बेटे को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरू कर दी हैं।

सफाईकर्मियों को धमकी देने के आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कैराना। सफाई कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देने, गाली-गलौच व जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में तीन सगे भाइयों समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। नगरपालिका परिषद कैराना के संविदा सफाईकर्मी गौरव ने कोतवाली पर मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि विगत रविवार को नगरपालिका के सफाईकर्मी कस्बे के मुख्य मार्ग पर सफाई कार्य कर रहे थे। वह सफाई कार्य करते हुए कृष्णपाल, रामकुमार व सुरेश के मकान के सामने पहुंचे। इसी दौरान सफाईकर्मियों ने कृष्णपाल को सड़क पर गोबर डालने से मना किया। आरोप है कि इस पर उक्त कृष्णपाल ने अपने भाइयों रामकुमार व सुरेश तथा एक अज्ञात के साथ मिलकर सफाई कार्य कर रहे कर्मचारियों के साथ में गाली-गलौच शुरू कर दी। आरोप है कि गाली-गलौच का विरोध करने पर आरोपियों ने जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए तलवार से गर्दन उतारने की धमकी दी। वहीं, पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

ईओ से मिले सफाईकर्मी, अतिक्रमण हटवाए जाने की मांग

सोमवार को संविदा सफाईकर्मी नगरपालिका परिषद में स्थित अधिशासी अधिकारी के कार्यालय पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने ईओ से मिलकर नगर में नालों के ऊपर हुए अवैध अतिक्रमण को हटवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के चलते ठीक ढंग से नालों की सफाई नही हो पाती, जिससे वह चोक हो जाते है। बरसात के दिनों में चोक हुए नाले ओवरफ्लो होकर जलभराव की समस्या पैदा करते है। सफाईकर्मियों ने जिलाधिकारी को भी पत्र भेजकर नालों के ऊपर से अवैध अतिक्रमण हटवाए जाने की मांग की है।

ये किसी के सगे नहीं होते, मुखबिरों से कभी दोस्ती न करना.... जुनैद अख्तर

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। कांधला में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर अखिल भारतीय मुशायरा का आयोजन किया गया । मुशायरा पद्मश्री बाबू रफीक अहमद मैमोरियल के नाम से हुआ जिसकी शमा रोशन सभासद जुनैद मुखिया और विधान परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से मुशायरे का शुभारंभ किया। मुशायरे की अध्यक्षता कैराना चेयरमैन शमशाद अंसारी ने की मुशायरे में देश भर से शायर व कवि आए हुए थे जिन्होंने अपने कलाम से मुशायरे में चार चांद लगाए । शरप नानपारवी ने अपने कलाम में कहा कि" शीशे की क्या बिसात हैं पत्थर के सामने, चलती नहीं किसी की मुकद्दर के सामने।
बिलाल सहारनपुरी ने " हम गरीबों पर गुजरती रात भी देखा करो, साहिबे आलम कभी फुटपाथ भी देखा करो कलाम सुनाकर श्रोताओं का खूब मनोरंजन किया।
वीरेंद्र सिंह ने कहा कि ये मुशायरा हमको बहुत कुछ सिखाता है मुशायरा केवल तफरीह के लिए नहीं बल्कि समाज में रहने का सलीका भी सिखाता हैं आज ये मुशायरा जिस शख्सियत के नाम पर हो रहा है जुनैद मुखिया के दादा बाबू रफीक उन्होंने इस क्षेत्र का खूब नाम रोशन किया है। जुनैद मुखिया ने कहा कि मैं आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूं कि आप अपना कीमती समय निकालकर यहां आए मैं भी अपने मरहूम दादा की तरह लोगों की खिदमत करना चाहता हूं। मुशायरे में सभासद अफजाल अहमद, सभासद फारूक अंसारी, विष्णु प्रकाश अग्रवाल, चौधरी वकील जंग, अब्दुर्रहमान कैरानवी, गुलशन खन्ना, फहाद अहमद आदि मौजूद रहे।

घर के बाहर खेल रही बालिका को बाइक सवार ने टक्कर मारी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल में घर के बाहर खेल रही एक 5 वर्षीय बालिका को बाइक सवार ने टक्कर मार कर घायल कर दिया। परिजन ने घायल अवस्था में बालिका को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस बाइक सवार की तलाश में जुटी हुई है। सोमवार को कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी सुलेमान की 5 वर्षीय पुत्री आलिया घर के बाहर खेल रही थी परिजनों का आरोप है कि तभी बाइक सवार एक युवक ने खेल रही बालिका को टक्कर मारकर घायल कर दिया और बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घायल बालिका की चीख पुकार सुनकर परिजनों ने उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पीड़ित परिजनों ने अज्ञात बाइक सवार के विरुद्ध थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस बाइक सवार की तलाश में जुटी हुई है।

अनाज उठाने का विरोध करने पर भाई पर किया हमला

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
शामली। थानाभवन के गांव हींड में अनाज उठाकर ले जाने का विरोध करने पर भाई ने अपने ही भाई को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया तथा फरार हो गया। परिजनों ने घायल को उपचार के जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार गांव हींड निवासी इमरान व अरमान दो भाई हैं। बताया जाता है कि अरमान ने अपने भाई इमरान के घर से अनाज उठा लिया जब इमरान को इसका पता चला तो उसने अरमान को डांट दिया। आरोप है कि इससे क्षुब्ध होकर अरमान ने अपने भाई इमरान के साथ लाठी, डंडों से बुरी तरह मारपीट कर दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर शराबा होने पर परिजन मौके पर पहुंचे जिन्हें देखकर आरोपित फरार हो गया। परिजनों ने घायल इमरान को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया है। बताया जाता है कि आरोपित अरमान हिस्ट्रीशीटर है और वह आए दिन परिजनों से पैसों की भी मांग करता रहता है।

यूपीएससी उत्तीर्ण करने के बाद छात्रा पहुंची अपने पूर्व विद्यालय

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। यूपीएससी में 290 भी रैंक प्राप्त करने के बाद आयुषी चौधरी कस्बा स्थित अपने पूर्व विद्यालय पहुंचीद्यछात्र की उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में स्वागत समारोह आयोजित कर प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। नगर के संत गोरखनाथ विद्यालय परिसर में भभीसा गांव निवासी शिक्षा विभाग में अनुदेशक विवेक चौधरी की बेटी आयुषी चौधरी ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर पूरे भारत में 290वीं रैंक प्राप्त कर जनपद के साथ-साथ अपने विद्यालय एवं परिजनों का नाम रोशन कियाद्य विद्यालय के पूर्व छात्र की इस उपलब्धि से समस्त छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों में खुशी का माहौल है आयुषी चौधरी को बधाई देने के लिए क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के लोगों का ताता लगा हुआ है। सोमवार को मोहल्ला शेखजादगान स्थित नगर के संत गोरखनाथ विद्यालय परिसर में पहुंचीद्यविद्यालय पहुंचने पर सर्वप्रथम आयुषी चौधरी ने अपनी प्रधानाचार्य कुमारी रंजना मित्तल के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा गार्डन ऑफ ऑनर एवं पुष्प वर्षा के साथ विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह स्थल पर ले जाया गयाद्यविद्यालय परिसर में विद्यालय के निदेशक श्रीमती ऊषा मित्तल द्वारा सर्वप्रथम आयुषी चौधरी की माता मंजू देवी एवं पिता विवेक चौधरी एवं आयुषी के पति रोहतास बेनीवाल एवं आयुषी चौधरी एवं आयुषी के अंकल संदीप चौधरी का माला पहनकर एवं शाल भेटकर स्वागत कियाद्य अपने संबोधन में उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद स्वरुप स्मृति चिन्ह भेंट किया प्रधानाचार्य कुमारी रंजना मित्तल ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि आयुषी चौधरी बाल्य काल से ही अपनी शिक्षा को लेकर जागरूक रही है और इसी कारण आज आयुषी ने क्षेत्र एवं अपने विद्यालय का नाम रोशन किया हैद्यबिना किसी कोचिंग सेंटर की सहायता स्वयं इच्छा शक्ति के साथ यूपीएससी की परीक्षा को पास कर आयुषी ने हम सबको गौरांवित होने का अवसर प्रदान किया इस अवसर पर नगर के समाजसेवी एवं अभिभावक नावेद जंग द्वारा स्कूल के निर्देशक ऊषा मित्तल, प्रधानाचार्य कुमारी रंजना मित्तल एवं आयुषी चौधरी को शाल भेंट कर सम्मानित विद्यालय के निर्देशक ऊषा मित्तल, प्रधानाचार्य कुमारी रंजना मित्तल, प्रबंधक क्षितिज मित्तल, अनुपमा मित्तल, समाज सेवी नावेद जंग स्टाफ मौजूद रहा

आवश्यकता है

दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना बिडौली ऊन चौसाना बाबरी गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
91-9082190000,
91-9997173786

'शीशे की क्या बिसात है पत्थर के सामने, चलती नहीं किसी की मुकद्दर के सामने'

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर सालाना अखिल भारतीय मुशायरा-कवि सम्मेलन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर 3 मई की शाम मंडप स्कूल भवन में पद्मश्री बाबू रफीक अहमद मेमोरियल के तहत सालाना अखिल भारतीय मुशायरा-कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभासद जुनेद मुखिया और विधान परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। मुशायरे का आयोजन जुनेद अख्तर के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांधला चेयरमैन नजमुल इस्लाम के भाई बदरुल इस्लाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैराना नगर पालिका परिषद के चेयरमैन शमशाद अंसारी ने की। चौधरी बाबर जंग, सभासद अफजाल अली, विष्णु प्रकाश अग्रवाल, अब्दुर्रहमान अंसारी अदीब कैरानवी, चौधरी वकील जंग प्रधान, गुलशन खन्ना सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने विशेष अतिथि के रूप में शामिल रहे। देश भर से पधारे विख्यात कवि-शायरों ने अपनी रचनाओं से देर रात तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध रखा। इनमें बिलाल सहारनपुरी, शरफ नानपारवी, राहत हरारत (चेन्नई), गुलरेज दैवासी (मध्य प्रदेश), नवीन नीर (चंडीगढ़), मनु बदायूंनी (पानीपत), महक कैरानवी (हैदराबाद) और सरिता जैन (दिल्ली) जैसे नाम प्रमुख रहे।

मुशायरे के चुनिंदा शेर
- "शीशे की क्या बिसात है पत्थर के सामने, चलती नहीं किसी की मुकद्दर के सामने" - शरफ नानपारवी
- "हम गरीबों पर गुजरती रात भी देखा करो, साहिबे आलम कभी फुटपाथ भी देखा करो" - बिलाल सहारनपुरी
- "मुझे खयाल वफा का अगर नहीं आता, मैं तेरे दर पे कभी लोट कर नहीं आता" - उस्मान उस्मानी
- "ये किसी के सगे नहीं होते, मुखबिरों से न दोस्ती करना" - जुनेद अख्तर
- "जिन्हें कश्ती से कुछ मतलब न मतलब है समंदर से, जियादातर उन्हीं हाथों में अब पतवार रहती है" - नवीन नीर
- "मेरे मुहल्ले की एक लड़की कल्लू ले गया, एक मुझ से भी काला था वही कल्लू ले गया" - मनु बदायूंनी मुशायरे के मुख्य संयोजक रिजवान अंसारी रहे, जिनके प्रयासों से यह आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम ने श्रमिकों के सम्मान और साहित्यिक समृद्धि को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

झामुमो की केन्द्रीय कार्यकारिणी का हुआ पुनर्गठन

एनपीटी

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया है। कमिटी में शिबू सोरेन को झामुमो का संस्थापक संरक्षक बनाया गया है। हेमन्त सोरेन अध्यक्ष होंगे, वही कल्पना सोरेन को कार्यकारी सदस्य बनाया गया है। कार्यकारिणी में कुल पदाधिकारियों व सदस्यों की संख्या 63 हैं। संस्थापक संरक्षक जहां शिबू सोरेन होंगे, वही अध्यक्ष हेमन्त सोरेन, उपाध्यक्ष नलिन

सोरेन, प्रो. स्टीफन मरांडी, रूपी सोरेन, सविता महतो, सरफराज अहमद, मथुरा प्रसाद महतो, वैद्यनाथ राम और रामदास सोरेन बनाये गये हैं। वही विनोद कुमार पांडे महासचिव और प्रवक्ता होंगे।

फागु बेसरा को महासचिव, सुप्रिया भट्टाचार्य महासचिव व प्रवक्ता, जोबा मांझी, महासचिव, मिथिलेश कुमार ठाकुर महासचिव बनाये गये हैं। इसके अलावे नंदकिशोर महतो सचिव, अभिषेक कुमार पिंटू सचिव, पंकज मिश्रा सचिव, समीर मोहंती सचिव, विनोद कुमार पांडे कोषाध्यक्ष, हेमलाल मुर्मू प्रवक्ता, कुणाल सारंगी प्रवक्ता, मनोज कुमार पांडे प्रवक्ता बनाये गये हैं।

आम-जनों की समस्याओं का निष्पादन में करे सहयोग - जिलाध्यक्ष

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), पाकुड़ झामुमो कार्यालय में जिला अध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम की अध्यक्षता में एक अहम बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में झामुमो कार्यकर्ता समेत वरीय पदाधिकारीगणों ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने, हेमन्त सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम वंचित तबके तक को दिलाने, आम-जनों की समस्याओं का निष्पादन कराने में सहयोग करने आदि समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं

पर भी विशेष रूप से चचाएं की गई। वही झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने सभी झामुमो कार्यकर्ता को एक दुसरे में समन्वय स्थापित करते हुए हर एक कार्य को जनहित में करने की ताकीद किया। मौके पर केन्द्रित समिति सदस्य उमर फारुख शेख, मिथलेश घोष, प्रखण्ड अध्यक्ष मुस्लेहुद्दीन शेख, फिरोज शेख, मोबारक हुसैन आदि समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीसी ने सांसद निधि, विधायक निधि योजना की प्रगति के कार्यों की किया समीक्षा

एनपीटी ब्यूरो

उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सांसद निधि योजना एवं विधायक निधि योजना में लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित डी.सी विपत्र पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी फंड विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़ी हैं जिसमें कार्यों के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें तथा जो कार्य अपूर्ण है उनमें कार्य कराते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायें। विधायक निधि एवं सांसद निधि अंतर्गत पूर्ण हुए कार्यों की डीसी बिल की यूटिलाइजेशन सार्टिफिकेट जल्द से जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक ने पंचायत सचिव-मुखिया के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीते सोमवार को प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक, ई० पंचायत आनंद प्रकाश द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड के पंचायत सचिव एवं मुखिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक किया। बैठक में डीपीएम ने सभी ग्राम पंचायतों को ग्रीष्मऋतु में पेयजल की समस्या को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया जिसमें ग्राम पंचायत को तीन जोन में रेड, येलो एवं ग्रीन जोन में विभाजित करने का निर्देश दिया गया। रेड जोन में वैसे क्षेत्र जहाँ पेयजल का स्त्रोत नहीं के बराबर है। वहाँ टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त क्षेत्रों में जल के

स्टोरेज हेतु जगह -जगह पर स्टोरेज टैंक बनाने का निर्देश दिया गया। येलो जोन में वैसे क्षेत्र आयेंगे जहाँ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है परंतु पर्याप्त नहीं है उन क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति हेतु जलस्त्रोतों को बढ़ाने यथा पाइपलाइन विस्तारीकरण, जल स्त्रोतों का सुदृढ़ीकरण करने का निर्देश दिया गया। ग्रीन जोन में वैसे क्षेत्र जहाँ पेयजल की समस्या अत्यंत कम है वही जल संरक्षण से संबंधित कार्य करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत व्यय, पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना में व्यय, उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा किए जाने के स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपरोक्त बैठक में प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखण्ड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद समेत अन्य उपस्थित थे।

डीसी ने प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत कारा बंदियों के लिए 20 दिवसीय प्रशिक्षण का किया शुभारम्भ

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीते सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा मंडल कारा पाकुड़ के बंदियों का प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत जिला प्रशासन के सहयोग से 20 दिवसीय अचार, पापड़ और मसाला पाउडर निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। जिसका विधिवत उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार, निदेशक आरसेटी पाकुड़ राजेश कुमार मिश्रा, मंडल कारापाल दिलीप कुमार और वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने बंदियों को सम्बोधित करते हुए कौशल प्रशिक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का अधिकाधिक लाभ प्राप्त कर स्वावलंबी बने। उपायुक्त ने जेल में विभिन्न कौशल प्रशिक्षण को लगातार संचालित करने के लिए आरसेटी पाकुड़ को आवश्यक निर्देश दिया। मंच का संचालन करते हुए वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने बंदियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार कर अपने जीवन को परिवर्तन करने की सलाह दी। जिला प्रशासन के अभूतपूर्व सहयोग से ही जेल बंदियों का प्रशिक्षण संचालित करना संभव हो रहा हैं। अपने जीवन को आर्थिक समृद्धि बनाने के लिए प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण हैं और यह जिला प्रशासन के सहयोग से सम्भव हो पाया है।जेल से बाहर निकलने पर अपना हुनर का उपयोग कर स्वालंबी बन सकती है। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। लाभुकों को इस प्रशिक्षण के साथ साथ विपणन, उद्यमी योग्यता, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंकिंग, बीमा आदि से संबंधित जानकारी दी जायेगी।

उपायुक्त ने किया मंडलकारा का औचक निरीक्षण

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त सह- जिला दंडाधिकारी मनीष कुमार ने मंडलाकारा पाकुड़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडलकारा में लगे सीसीटीवी फुटेज, विजिटर रजिस्टर, कारा परिसर, भोजनालय, दवाईयों की उपलब्धता की भी जांच की गई, जिसमे किसी भी प्रकार का कोई आपत्तिजनक सामान जेल के अंदर नही पाई गई।

नशीले पदार्थों के अवैध उत्पादन एवं संग्रहण और व्यापार पर की जा रही है सख्त कारवाई - डीसी

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार(झा०खं०). अफीम एवं अन्य नशीले पदार्थों की रोकथाम और इसके दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु जिला प्रशासन लातेहार द्वारा व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि नशा युवाओं के जीवन को बर्बाद कर देता है और समाज में अपराध, असामाजिक गतिविधियाँ तथा मानसिक तनाव को जन्म देता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के अवैध उत्पादन, संग्रहण और व्यापार पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन, उत्पाद विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से गाँव-गाँव में छापेमारी की जा रही है। इसके साथ ही स्कूल, कॉलेज और पंचायत स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी जायेगी। उपायुक्त ने आम जनता, अभिभावकों एवं शिक्षकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों पर निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी प्रशासन को तुरंत दें। कहा हम सब मिलकर ही नशामुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित लातेहार का निर्माण कर सकते हैं।

बारियातू में राहु पूजा के उपलक्ष्य में 7 मई को होगा भव्य जागरण का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार (झा०खं०), लातेहार जिला अन्तर्गत बारियातू प्रखण्ड मुख्यालय स्थित बाजार टांड परिसर में राहु पूजा के उपलक्ष्य में आगामी 7 मई, दिन बुधवार को एक भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जानकारी देते हुए आयोजनकर्ता बिरेन्द्र पासवान उर्फ बिरू ने बताया कि इस कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा कार्यक्रम की रूपरेखा अंतिम रूप ले चुकी है। आयोजन स्थल पर आंचल म्यूजिकल एंड जागरण मंडली की ओर से संगीतमय जागरण की प्रस्तुति दी जाएगी। मंडली के प्रमुख एंकर राजेश गुप्ता, सुजीत गुप्ता, तन्नु, जितन और सुबोध जागरण कार्यक्रम में भक्ति संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। यह आयोजन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष संचालन समिति का भी गठन किया गया है, जिसमें जिला परिषद सदस्य रमेश राम, बसंत पासवान, योगेन्द्र पासवान, बिंदेश्वर पासवान, किशोर राम, छोटेलाल पासवान, टुनू राम, संतोष राम, अरूण राम, निकी राम सहित स्थानीय युवाओं और गणमान्य व्यक्तियों को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रख रहे हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजक बिरेन्द्र पासवान ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस धार्मिक जागरण में भाग लें और कार्यक्रम को सफल बनावें।

सिदो कान्हू शिशु विद्या मंदिर के बच्चों को पिलायी गयी सुवर्ण प्रशान की पहली खुराक

नेशनल प्रेस टाईम्स ब्यूरो

बोआरीजोर(गोड्डा): प्रखंड अंतर्गत ललमटिया के सिदो कान्हू शिशु विद्या मंदिर के 115 बच्चों को विशिष्ट प्रतिरोध क्षमता उत्पन्न करने के लिए सुवर्ण प्रशान की पहली खुराक पिलायी गयी। बच्चों को खुराक पिलाने से पूर्व आचार्य शालीग्राम पांडेय के नेतृत्व में वैदिक मंत्र के साथ हवन कार्यक्रम किया गया। देवघर विभाग के निरीक्षक सुरेश मंडल ने बताया कि इसकी पूर्ण खुराक 42 प्रकार के वैक्सीन के बराबर है, इसे भारतीय आयुर्वेदिक से बनाया गया है। ये 42 प्रकार की बीमारियों से बच्चों को रक्षा प्रदान करेगा, बच्चों में शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता के विकास में भी मदद करेगा, बालिका शिक्षा प्रमुख कल्पना सिंह ने बताया कि सुवर्ण प्रशान की खुराक बच्चों के शरीर में ओजस्वी लाने का कार्य करेगा। बच्चों की वाणी में सुधार के साथ- साथ कई प्रकार के इंफेक्शन से राहत दिलाएगा, खुराक में उपस्थित शंखपुष्पी बच्चों के वृद्धि में सहायक होता है। ब्राह्मणी पेट के रोग में दूर करने एवं शहद बच्चों के हृदय हड्डी को मजबूत करता है। यह सर्दी, जुकाम, खांसी से राहत प्रदान करता है। यह खुराक बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यधिक लाभदायक है। दवा तीन वर्ष से 12 वर्ष के बच्चों को पिलाया जा रहा है और एक वर्ष में बच्चों को 13 खुराक पिलाया जाएगा। मौके पर प्रधानाध्यापक सुधीर सिंह, सचिव निशु टिबड़ेवाल, अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह, दिलीप कुमार मांझी, साधना तिवारी, जयमंती कुमारी, जया कुमारी, सिंगा किस्कू आदि उपस्थित थे।

लातेहार के पूर्व विधायक बैद्यनाथ राम बनाये गये जेएमएम के केन्द्रीय उपाध्यक्ष, कार्यकताओं में हर्ष की लहर

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार (झा०खं०), झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के लातेहार के पूर्व विधायक सह- पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम को पार्टी द्वारा केन्द्रीय उपाध्यक्ष बनाये जाने पर क्षेत्रीय कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस अवसर पर बारियातू प्रखण्ड के जेएमएम कार्यकताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। पार्टी द्वारा इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकताओं ने इसे संगठन के प्रति पूर्व मंत्री श्री राम की निष्ठा और वर्षों के राजनीतिक अनुभव का परिणाम बताया। साथ ही, यह विश्वास जताया कि श्री राम के नेतृत्व में पार्टी और अधिक सशक्त व संगठित होगी। बधाई देने वालों में जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष राजेन्द्र गंझू, उपाध्यक्ष लाल आशिष नाथ शाहदेव, सचिव महेंद्र उरांव, संगठन सचिव मो. होजैफा, जेएमएम जिला उपाध्यक्ष कामेश्वर भोगता, बिरेन्द्र पासवान, भुनेश्वर यादव, केशव प्रसाद,लाखो भुइयां,पुनेश्वर प्रजापति, राजदेव उरांव रामभजन साव सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

सभी ने कहा कि बैद्यनाथ राम के अनुभव से पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा मिलेगी और राज्य में संगठन की जड़ें और मजबूत होगी। कार्यकर्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए यह भी कहा कि यह नियुक्ति न केवल लातेहार बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है।

क्षेत्र में विकास योजनाओं को लेकर बीडीओ ने की समीक्षा बैठक

नेशनल प्रेस टाईम्स ब्यूरो

महागामा (गोड्डा): प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनाराम हांसदा की अध्यक्षता में प्रखंड अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में क्रियान्वित की जा रही विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षा बैठक में मनरेगा अंतर्गत बागवानी योजना, कुआं योजना, मनरेगा सॉफ्ट में अबुआ आवास योजना समेत अन्य योजनाओं की पंचायत वार समीक्षा की गयी। बीडीओ द्वारा आने वाले समय में 100 से ऊपर मानक

दिवस सृजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, साथ ही पूर्व से लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वर्तमान में जिओ टेक 100 प्रतिशत पूर्ण करने का भी निर्देश दिया गया। साथ ही जिस लाभुकों को पहला एवं दूसरा किस्त दिया जा चुका है। उन लोगों को कार्य में तेजी लाने के लिए पंचायत सचिवों को निर्देश दिया गया। पंचायती राज अंतर्गत पंचायत सचिवालय में सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही भारत नेट बायोमेट्रिक उपस्थिति, रोस्टर के अनुसार उपस्थित, सीसीटीवी अधिष्ठापन एवं पंचायत भवनों में सुचारू रूप से समय पर संचालन हेतु सभी पंचायत सचिवों को निर्देशित किया गया। बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा पुरुषोत्तम मिश्रा, अमरेंद्र पंडित, सहायक अभियंता अनुज कुमार, प्रखंड समन्वयक मोहम्मद अनीस अकरम, मिथुन कुमार के अलावा कनीय अभियंता, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

काशीबाई गणपत नर्सिंग एवं फामेर्सी कॉलेज का मना स्थापना दिवस

नेशनल प्रेस टाईम्स व्यूरो

गोड्डा : काशीबाई गणपत नर्सिंग एवं फामेर्सी कॉलेज के द्वितीय स्थापना पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। रांची के बुड़मू के चकमें गांव में गोड्डा के रवींद्रमहतो की ओर से संचालित कॉलेज के स्थापना दिवस का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि कांके विधायक सुरेश बैठा, विशिष्ट अतिथि फामेर्सी काउंसिल झारखंड के रजिस्ट्रार प्रशांत कुमार पांडे, एसडीओ खलारी रामनारायण चौधरी, जिला परिषद सदस्य सह भाजपा प्रदेश मंत्री मनोज महतो, रामजीत गंजु, प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, हरदेव साहू, गोपाल तिवारी, बबलू

उरांव, समीम बड़ेहार, फामेर्सी प्रिंसिपल कौशल कांत वर्मा, विकास कॉलेज, फोलेरेंस कॉलेज के कोऑर्डिनेटर शकील परवेज मुख्य रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में अतिथियों के संबोधन के पश्चात प्रबंध निदेशक रवींद्र महतो (गोड्डा निवासी) ने अपनी ओर से अतिथियों, शिक्षक-शिक्षकेत्तर, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापन दिया। कहा कि रांची जिले के सुदूर ग्रामीण एवं पिछड़े इलाके में नर्सिंग एवं फामेर्सी के क्षेत्र में छात्रों को कैसे प्रशिक्षित किया जा रहा है, इस संबंध में विस्तार से बातों को रखते हुए इस कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इससे पूर्व विषय प्रवेश फामेर्सी के प्रोफेसर डॉ० अनुराग चौहान एवं नर्सिंग के प्रिंसिपल प्रियंका पाठक द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो निशांत कोणार द्वारा फामेर्सी एवं नर्सिंग के संबंध में विस्तार बताया गया।

अतिथियों एवं अन्य सम्मानित अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात भगवान जगन्नाथ की तस्वीर भी महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा भेंट की गयी। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं बुड़मु प्रखंड के कुछ अन्य विद्यालयों से आये बच्चों द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेकर सफल प्रतियोगियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं बच्चों को मेडल भी प्रदान किया गया।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में हर्बल दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण पर आयोजित हुआ विशेषज्ञ व्याख्यान

एनपीटी ब्यूरो

गाजियाबाद। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद के स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज द्वारा ₹हर्बल दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण₹ विषय पर एक ज्ञानवर्धक विशेषज्ञ व्याख्यान का सफल आयोजन 5 मई 2025 को किया गया। इस सत्र के मुख्य अतिथि थे डॉ. आर. के. पवार, जो वर्तमान में भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी औषधि औषधालय आयोग (ढउक्ट&ल), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में विश्लेषक एवं अनुसंधान सहायक (रसायन विज्ञान) के पद पर कार्यरत हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. (डॉ.) शालिनी शर्मा, निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज द्वारा सभी अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक स्वागत करते हुए हुई। उन्होंने मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया और यह पुनः पुष्टि की कि विद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डॉ. पवार ने अपने व्याख्यान में छात्रों को गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया, जिनमें मैक्रोस्कोपिक एवं माइक्रोस्कोपिक परीक्षण, दूषकों की पहचान, भारी धातुओं, कीटनाशक अवशेषों एवं सूक्ष्मजीवजनित संदूषण की जांच, तथा विश्लेषणात्मक तकनीकें जैसे कि टीएलसी (ळछउ), एचपीएलसी (ल्ढछउ), जीसी-एमएस (ऋछ-टर), आईआर (क्फ), यूवी (वश) स्पेक्ट्रोस्कोपी, और स्थायित्व अध्ययन (रड्ढं/३८ रड्ढीं२) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ये तकनीकें हर्बल दवाओं की प्रभावकारिता, सुरक्षा और मानकीकरण सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

यह शैक्षणिक संवर्धन कार्यक्रमों की परिकल्पना विश्वविद्यालय के अटूट संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। माननीय कुलाधिपति श्री महेन्द्र अग्रवाल, कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार, प्रो वाइस चांसलर एवं सेवानिवृत्त आईजी श्री पीयूष श्रीवास्तव, तथा कुलसचिव डॉ. राजीव रतन ने इस बात पर विशेष बल दिया है कि विशेषज्ञ व्याख्यान, संगोष्ठियों, विशेष कार्यशालाएं और व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों को शैक्षणिक ढांचे का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए। ये प्रयास न केवल सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को कम करते हैं, बल्कि छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर भी प्रदान करते हैं। अपने सक्रिय नेतृत्व और रणनीतिक दृष्टिकोण के माध्यम से, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करता है कि उसके छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से सशक्त हों, बल्कि तेजी से बदलते उद्योग जगत में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल, दक्षता और आत्मविश्वास से भी युक्त हो।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. बबीता अग्रवाल, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. बबीता रावत, सुश्री नेहा रावत, सुश्री पलक हिंदवाल, और श्री सुरजीत सिंह, द्वारा किया गया। उनके समर्पित प्रयासों से कार्यक्रम का सफल और सुचारु आयोजन सुनिश्चित हुआ।

कार्यक्रम के अंत में एक इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए डॉ. पवार से जिज्ञासाएं साझा कीं और हर्बल दवाओं में गुणवत्ता नियंत्रण के वास्तविक अनुप्रयोगों पर चर्चा की।

यह विशेषज्ञ व्याख्यान एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी की उस शैक्षणिक यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित हुआ, जिसका उद्देश्य भविष्य के फार्मास्युटिकल प्रोफेशनल्स को उद्योग के लिए तैयार करना और उन्हें उत्कृष्टता की ओर मार्गदर्शित करना है।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को किया निर्देशित

प्राप्त शिकायतों का समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए: जिलाधिकारी दीपक मीणा

एनपीटी ब्यूरो

गाजियाबाद। कलैक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों से सम्बंधित अनेक शिकायतें एवं पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा जनसुनवाई हेतु आने वाले प्रत्येक ?व्यक्ति की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया एवं उसका गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु आश्वस्त भी किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट भी उपस्थित रहे।

सरकारी तालाब और सरकारी संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराने वाले समाजसेवी मोहित कुमार ने जिलाधिकारी मेरठ से की इच्छा मृत्यु की मांग.

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ थाना भावनपुर क्षेत्र अब्दुल्लापुर निवासी (समाजसेवी) मोहित कुमार मेरठ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे. और समाजसेवी ने एक लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी महोदय मेरठ को सौपा. जिसमें समाजसेवी ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2018 में सरकारी तालाबों और सरकारी संपत्तियों को भू माफियाओं से कब्जा मुक्त कराने के लिए एक प्रण लिया था .कि जब तक मैं सभी सरकारी तालाबों और सरकारी संपत्तियों को भू माफियाओं के कब्जे से कब्जा मुक्त नहीं कर दूंगा. तब तक मैं अपने पैरों में जूता और चप्पल नहीं पहनेगा. समाजसेवी ने अपने अथक प्रयासों से कई तालाबों और सरकारी संपत्तियों को कब्जा मुक्त भी करा दिया है. और अभी भी समाजसेवी नंगे पैर रहकर अन्य सरकारी संपत्ति और सरकारी तालाबों को कब्जा करने हेतु समाज सेवी निरंतर प्रयास कर रहा है .. परंतु संबंधित विभाग नगर निगम एवं तहसील विभाग मेरठ समाजसेवी के प्रयासों को विफल करने में लगे हुए हैं. और समाजसेवी को प्रताड़ित कर रहे हैं. संबंधित विभागों द्वारा समाजसेवी को प्रताड़ित किए जाने से आहत होकर समाजसेवी ने मेरठ जिलाधिकारी से इच्छा मृत्यु की मांग की है. जिस पर मेरठ जिलाधिकारी ने समाजसेवी को संबंधित विभागों के लापरवाह कर्मचारियों और भूमाफियाओं पर सख्त कार्यवाही का आश्वासन दिया है ..

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को जान से मारने की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
अमरोहा

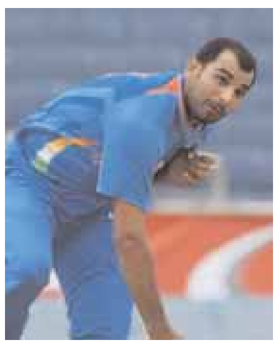

अमरोहा ' उ. प्र-भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी को धमकी भरी मेल भेजी गई है। रविवार शाम मोहम्मद शमी की मेल आईडी पर राजपूत सिंदर नाम के युवक ने मेल भेज कर जान से मारने की धमकी दी है। धमकी भरा मेल मिलने के बाद उन्होंने इस बारे में अपने बड़े भाई हसीब अहमद को बताया था। जिसके बाद सोमवार को मोहम्मद हसीब ने एसपी अमित कुमार आनंद से मिलकर तहरीर दी

भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी को धमकी भरी मेल भेजी गई है। रविवार शाम मोहम्मद शमी की मेल आईडी पर राजपूत सिंदर नाम के युवक ने मेल भेज कर जान से मारने की धमकी दी है। मोहम्मद शमी इन दिनों सनराइजर्स हैदराबाद टीम से जुड़े हैं तथा आईपीएल खेल रहे हैं।

धमकी भरा मेल मिलने के बाद उन्होंने इस बारे में अपने बड़े भाई हसीब अहमद को बताया था। जिसके बाद सोमवार को मोहम्मद हसीब ने एसपी अमित कुमार आनंद से मिलकर तहरीर दी। इस मामले में साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

एमआईटी की साक्षी का उत्तराखंड बास्केटबॉल टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), मेरठ की बीबीए फाइनल ईयर की छात्रा साक्षी सैनी ने उत्तराखंड में आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 'रनर-अप' का खिताब हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही साक्षी को टूनार्मेंट की ह्यमोस्ट वैल्यूएबल प्लेयरह्न (एमवीपी) घोषित किया गया, जिसके अंतर्गत उन्हें अतिरिक्त 21 हजार रुपये का पुरस्कार भी मिला।

इस अवसर पर एमआईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान एवं प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा ने साक्षी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संस्थान की ओर से कहा गया कि साक्षी की यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है और इससे खेलों में भागीदारी को नई दिशा मिलेगी।

अतिक्रमण के खिलाफ एक साथ आए पांच सोसायटी के लोग

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच नौ) से जुड़ने वाले मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण के खिलाफ न्यायखंड एक स्थित पांच सोसायटी के लोग एक साथ आ गए हैं। लोगों ने दुकानदारों के किए गए अवैध कब्जे के खिलाफ आवाज उठाते हुए नगर निगम से शिकायत की है। उनका कहना है कि मोटर रिपेयरिंग और फर्नीचर बनाने वाले कई दुकानदारों ने सड़क पर सामान रखकर और रास्ते में लोगों ने गाड़ी लगाकर सड़क को पार्किंग बना दिया है। इस वजह से न केवल आम आवाजाही बाधित हो रही है, बल्कि इलाके में आपराधिक गतिविधियां भी बढ़ रही हैं। सुपरटेक आइकन, गौर ग्रीन विस्ता, पत्रकार विहार, वी-3एस इंद्रलोक और जीडीए जनता फ्लैट्स के निवासियों का एक प्रतिनिधि दल शनिवार को नगर निगम के मुख्य जोनल अधिकारी सुनील राय से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपने गया। सभी लोगों ने सड़क से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटानें की मांग की। सुपरटेक आइकान के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मनोज ठाकुर ने बताया कि नगर निगम के अधिकारियों के साथ एक घंटे तक चली इस मुलाकात में अधिकारी ने माना कि शनि चौक से साईं चौक एवं साईं चौक से गौर ग्रीन विस्ता तक सड़क के किनारे अवैध कब्जा है व पिछले दिनों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं थी। इस बार अलग-अलग विभाग जीडीए, नगर विकास सब के साथ मिलकर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज करेंगे। वहीं, सोसायटी के लोगों की शिकायत है कि अवैध रूप से बनाए गए मोटर वर्कशॉप, कबाड़ व अन्य दुकानों के अतिक्रमण के कारण गंदगी, ट्रैफिक जाम के साथ-साथ इलाके में अपराध की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। इससे पहले भी नागरिकों ने हाल-फिलहाल के कुछ आपराधिक वारदातों की सीसीटीवी फोटो लेकर एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव के कार्यालय जाकर उन्हें दिए हैं और आए दिन मोबाइल और चैन झपटमारी की घटनाओं में बढ़ोतरी व इलाके में जगह-जगह नशे के अड्डे व असामाजिक तत्वों की आवाजाही के बारे में भी शिकायत की।

जर्जर सड़कों व पानी की समस्या से जूझ रहे कड़कड़ मॉडल के लोग

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

साहिबाबाद। शहर की चमक-दमक से दूर कड़कड़ मॉडल की जमीनी हकीकत बेहद खराब है। यहां के लोगों को न सड़कें मिलीं, न साफ पानी और न ही स्वस्थ माहौल। एक लाख से ऊपर की आबादी वाला यह क्षेत्र कई सालों से बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। कड़कड़ मॉडल क्षेत्र के लोगों की जिंदगी रोजमर्रा की जद्दोजहद में फंसी है। जहां एक ओर पांच साल से टूटी सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है, वहीं सिर्फ एक समय मिलने वाली जलापूर्ति ने परेशानी और बढ़ा दी है। हालात यह है कि लोग अब पानी तक खरीदने को मजबूर हैं।

रेल फाटक 4सी, राधा कुंज रोड, बड़ा पार्क और रामलीला ग्राउंड तक जाने वाली सड़कें जगह-जगह से उखड़ी हैं। स्थानीय निवासी ने बताया कि कई बार नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत की गई, एक बार मरम्मत शुरू भी हुई, लेकिन बीच में काम रुक गया। कुछ जगहों पर उधड़े गड्ढों में सिर्फ मिट्टी डाल दी गई, जो बारिश में बह गई। इन परेशानियों को लेकर जहां एक तरफ कड़कड़ मॉडल की जनता लगातार प्रदर्शन कर रही है। वहीं दूसरी तरफ समस्याओं के निस्तारण के लिए अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। इन रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कड़कड़ निवासियों ने रविवार को भी प्रदर्शन किया।

रघुवर सोसायटी वेलफेयर कॉलोनी मांझा बरहटा अयोध्या के नागरिकों ने महापौर को दिया ज्ञापन

एनपीटी ब्यूरो

अयोध्या। रघुबर सोसायटी वेलफेयर कॉलोनी मांझा बरहटा के लगभग दो दर्जन नागरिकों ने अयोध्या नागरिक मंच के संयोजक एस0 एन0 बागी के नेतृत्व में आज नगर निगम अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी से उनके आवास पर मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में नागरिकों ने मांग की है कि आठ साल पहले बनी उक्त आवासीय कॉलोनी में अभी तक नगर निगम ने सड़क,नाली,मार्ग प्रकाश,सीवर लाइन व पेयजल की कोई सुविधा मुहैया नहीं कराई है जबकि इस कॉलोनी में लगभग 80 घर बने हुए हैं । कॉलोनी निवासियों को बरसात के दिनों में सड़कें न होने के कारण आने-जाने में काफी दिक्कतें उठानी पड़ रहीं हैं। मार्ग प्रकाश न होने से जहरीले जीव- जंतुओं का खतरा बना रहता है। सीवर लाइन न पड़ी होने के कारण मल-मूत्र उफना कर सड़कों पर बह रहा है। शुद्ध पेयजल के लिए एक भी हैंडपम्प या स्टैंड पोस्ट इस कॉलोनी में अब तक नहीं लगाया गया है। नागरिकों ने ज्ञापन देकर महापौर से कॉलोनी का स्वयं निरीक्षण करने व सभी आवश्यक सुविधाएं नागरिकों को मुहैया कराने की मांग की है। महापौर ने जल निगम, विकास प्राधिकरण व नगर निगम के अधिकारियों से दूरभाष के जरिए वार्ता करके सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैय्या कराने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालों में उमेश चंद्र मिश्र कामरेड यशोदा सिंह, श्रीमती निशा, श्वेता वर्मा, संतोष कुमार गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, वी डी शर्मा,कुसुम देवी, चंद्र प्रकाश, रेनू गुप्ता, पूनम देवी, राम भवन मौर्य,संजू देवी,वंदन सिंह, शंकर मिश्रा, जितेंद्र कुमार व संतोष गुप्ता सहित अन्य लोक शामिल रहे।

एमआईटी में 407 छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए टैबलेट

मेरठ (ब्यूरो): परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में सोमवार को बीटेक और बीफार्मा के छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. के.एल.ए. खान ने कुल 407 छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए।

यह वितरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाई जा रही डीजी शक्ति योजना के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को डिजिटल माध्यम से सशक्त बनाना है। डॉ. खान ने इस अवसर पर कहा कि ह्यसरकार की यह पहल छात्रों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के साथ-साथ उनकी पढ़ाई को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी। आज के डिजिटल युग में यह उपकरण शिक्षा का एक अहम हिस्सा बन चुका है। टैबलेट प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं बीटेक की विभिन्न शाखाओं– कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, मैकेनिकल और बी.फार्मा पाठ्यक्रमों से संबंधित थे।इस अवसर पर छात्रों में उत्साह देखने लायक था। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संस्थान प्रबंधन का आभार जताया।

कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्षों और शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया, जहां छात्रों को डीजी शक्ति पोर्टल की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई।

आखिर खैरनगर में शुरू हुआ सड़क निर्माण, व्यापारियों में खुशी की लहर

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ। खैरनगर में सड़क की दुर्दशा के खिलाफ दवा व्यापारियों द्वारा किये गये बंद के काफी समय बाद व्यापारियों की मेहनत रंग लाई। आज से खैर नगर बाजार में सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ हुआ। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों शहर के इस व्यस्त एवं महत्वपूर्ण बाजार के व्यापारियों ने नगर निगम की अनदेखी के चलते बाजार बंद कर हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया था। इसके बाद नगर निगम का अमला और महापौर हरिकांत आहलूवालिया ने व्यापारियों के बीच पहुंचकर सड़क निर्माण का वादा किया था लेकिन साथ ही व्यापारियों के अतिक्रमण को भी इसमें बाधा बताया था। इस पर खैरनगर के व्यापारियों ने नगर निगम को सहयोग करते हुए अतिक्रमण हटा लिया था। व्यापारियों के सहयोग के बावजूद नगर निगम अपने वादे को भूल रहा था जिस पर व्यापारियों नगर निगम अधिकारियों और महापौर के प्रति आक्रोश बढ़ रहा था। इसी आक्रोश के चलते आज सड़क का निर्माण चालू हो गया। इसके लिए व्यापारियों ने मेयर हरिकांत अहलूवालिया एवं नगर आयुक्त सौरभ गंगवार एवं उनकी टीम को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जिला मेरठ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री रजनीश कौशल ने जेसीबी पर नारियल फोडकर सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत कराई। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रवीण शर्मा मोइनुद्दीन गुड्डू टीटू सुनील अग्रवाल अब्बा शाही वारसी ठेकेदार प्रेम मिश्रा सहित काफी व्यापारी मौजूद रहे।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं पुरराज प्रिंटिंग एंड पैकिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रेस ई-19,सेक्टर-6,नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।